

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज रायपुर जिले के अहमपुर स्थित अग्रवाल भवन में पूर्व केन्द्रीय मंत्री श्रीमती स्मृति ईरानी एवं सिद्धार्थ शंभू के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' की 139वीं कड़ी का श्रवण किया।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि 'मन की बात' देश की लोकशक्ति की आराधना और 140 करोड़ देशवासियों के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आत्मीय जुड़ाव का सशक्त माध्यम है। प्रधानमंत्री इस कार्यक्रम के माध्यम से समाज, पर्यावरण, संस्कृति, नवाचार और जनसेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य कर रहे सामान्य नागरिकों के असाधारण प्रयासों को राष्ट्रीय पहचान देते हैं। ऐसे प्रेरक उदाहरण देशवासियों में समाज और राष्ट्र के लिए कुछ नया करने का भाव जागृत करते हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह प्रत्येक छत्तीसगढ़वासी के लिए 'मन की बात' का विषय है। प्रधानमंत्री ने 'मन की बात' की विभिन्न कड़ियों में प्रदेश का समृद्ध संस्कृति, जनजातीय परंपराओं, खेल प्रतिभाओं, जल संरक्षण, पोषण और नवाचार से जुड़े

प्रयासों को प्रमुखता से स्थान दिया है। उन्होंने बस्तर ओलंपिक में और बस्तर पंडुम का उल्लेख किया। बस्तर को खेल प्रतिभाओं एवं समृद्ध जनजातीय संस्कृति को राष्ट्रीय पहचान दी है। आज शांति, विश्वास और विकास की दिशा में आगे बढ़ रहा बस्तर अपनी युवा प्रतिभाओं और सांस्कृतिक विरासत के माध्यम से नई पहचान बना रहा है।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नेतृत्वाधीन कोरिया जिले में जल संरक्षण के अभिनव 'पांच प्रतिशत मॉडल

की भी सराहना की है, जिससेकेवल
 तहत किसान अपनी भूमि के पांच
 प्रतिशत हिस्से में तालाब बनाकर
 वर्षों जल का संचय करते हैं।
 इससे सिंचाई के साथ भूजल
 संरक्षण की भी बढ़ावा मिल रहा
 है। इसी प्रकार ऐतिहासिक मुजुं
 के ताम्रपत्रों और पोषण से जुड़े
 हर घर मुग्गा' जैसे प्रयासों को
 उल्लेख छत्तीसगढ़ की विशिष्ट
 पहचान को राष्ट्रीय मंच प
 प्रतिष्ठित करता है।
 प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'म
 की बात' की 139वीं कोड़ी ने
 कार्यक्रम की 12 वर्षों की यात्रा

का उल्लेख करते हुए देश के सामान्य नागरिकों के परिश्रम से सेवा और समर्पण की सराहना की। उन्होंने पंजाब में प्राकृतिक कृपास की खेती और बुनकरों में महिला शक्तिवर्धन, उत्तराखण्ड में हेवल नदी के पारिवर्तन स्थानीय उत्पादों की वैश्विक पदचन और खादी की बर्द्धन लोकप्रियता जैसे प्रेरक प्रयासों का उल्लेख किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने व्योहारों के अवसर पर स्थानीय कार्यगरो के उत्पादों का प्रार्थमिकता देने और 'वोकल

कार लोकर' को आगे बढ़ाने क आह्वान किया। उन्होंने ई संजीवनी, आधुनिक अनुसंधान युवाओं के डीप-टेक स्टार्टअप, श्रीअन्न को खेती और अंगदान के महत्व को भी रेखांकित किया। साथ ही सरदार वल्लभभाई पटेल को जयंती पर 'रफ़ी रॉयल्टी' में सहभागिता, स्वच्छता और सामाजिक एकता को मजबूत करने का संदेश दिया।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री के विचार हमें अपने आसपास हो रहे सकारात्मक कार्यों से प्रेरणा लेने और समाज एवं राष्ट्र के प्रति अपने दायित्व को पूरी निष्ठा से निभाने का प्रेरणा देते हैं। 'मन की बात' ने स्वच्छता, स्थायीकरण एवं जल संरक्षण, पशुधन उत्पादों को प्रोत्साहन, नवाचार, सेवा और जनभागीदारी को जन-जन से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

उन्होंने कहा कि विकसित भारत के निर्माण में विकसित छत्तीसगढ़ की महत्वपूर्ण भूमिका है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के संकल्प को साकार करने के लिए जनभागीदारी, नवाचार और कर्तव्य के प्रति समर्पण आवश्यक है।

रायपुर। छत्तीसगढ़ के वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी ने आज नवा रायपुर स्थित हिदायतुल्लाह राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय (एचएनएलयू) में आयोजित कोलोसस एवं अंतरराष्ट्रीय मॉडल यूनाइटेड नेशंस और यूथ पैरालियामेंट 2026 के समापन समारोह में शामिल होकर विद्यार्थियों को संबोधित किया। इस अवसर पर उन्होंने अपने बचपन, शिक्षा और भारतीय प्रशासनिक सेवा तक पहुंचने की संक्षेपपूर्ण यात्रा साझा करते हुए युवाओं को बड़े सपने देखने, कठिन परिस्थितियों से संघर्ष करने और जीवन में सकारात्मक दृष्टिकोण बनाए रखने के लिए प्रेरित किया।

वित्त मंत्री चौधरी ने कहा कि जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए सुविधाओं और संसाधनों से अधिक महत्वपूर्ण व्यक्ति का आत्मविश्वास, दृढ़ संकल्प और निरंतर परिश्रम है। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि परिस्थितियां कितनी भी विपरीत क्यों न हों, यदि लक्ष्य स्पष्ट हो और उसे प्राप्त करने के लिए

ईमानदारी से प्रयास किया जाए, तो सफलता की राह बनाई जा सकती है।

कार्यक्रम में भारतीय हॉकी खिलाड़ी एवं ओलंपिक पदक विजेता शमशेर सिंह, विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर वि.सी. विवेकानंदन सहित अन्य अतिथियों की उपस्थिति रही। वित्त मंत्री श्री चौधरी ने विश्वविद्यालय द्वारा मॉडल यूनाइटेड नेशंस और यूथ पैरालियामेंट जैसे आयोजनों के माध्यम से युवाओं को संवाद, नेतृत्व और विचारों की अभिव्यक्ति का अवसर उपलब्ध कराने की सराहना की। विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए वित्त मंत्री चौधरी ने बताया कि उनका जन्म रायगढ़ जिले के एक छोटे से गांव में हुआ था। उनके पिता शाकाहारी विद्यालय में शिक्षक थे, लेकिन जब वे मात्र आठ वर्ष के थे, तभी उनके पिता का निधन हो गया उनकी माता ने केवल चौथी कक्षा तक शिक्षा प्राप्त की थी। सीमित परिस्थितियों में और कठिन परिस्थितियों के बावजूद उन्होंने अपनी पढ़ाई जारी रखी।

कोरबा। कोरबा शहर की प्रमुख सड़कों को बेहतर और सुगम बनाने के लिए डामरीकरण कार्य प्रारंभ हो गया है। उद्योग, वाणिज्य एवं आबकारी मंत्री लखन लाल देवांगन और महापौर श्रीमती सजू देवी राजपूत ने शनिवार को सोनालिया पुल से ओवरब्रिज मार्ग पर चल रहे कार्य का निरीक्षण किया। उन्होंने नगर निगम के अधिकारियों को गुणवत्तापूर्ण कार्य कराने और निर्धारित समय-सीमा में इसे पूरा करने के निर्देश दिए।

उद्योग मंत्री देवांगन के प्रयासों से नगर निगम क्षेत्र के 20 प्रमुख

मार्गों के डामरीकरण के लिए 22 करोड़ से अधिक की राशि स्वीकृत की गई है। इन कार्यों का भूमिपूजा 19 अक्टूबर को कोसाबाड़ी चौक पर किया गया। इसके बाद शनिवार को सोनालिया पुल से ओवरब्रिज मार्ग पर डामरीकरण कार्य शुरू हुआ।

निरीक्षण के दौरान मंत्री श्री देवांगन ने अधिकारियों से कहा कि सभी स्वीकृत कार्य तय समय-सीमा में पूरे किए जाएं। सड़क निर्माण में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाए, ताकि नागरिकों को बेहतर और सुगम आगमन की सुविधा मिल सके।

रायपुर। छत्तीसगढ़ हॉकी लीग के सातवें मुकामले में आज प्रदीप मोर की मैनेपाट टाइटन्स ने राजधानी रॉयल्स को 5-2 से हराकर शिकस्त दी। लीग के मैचों के बढ़ते रोमांच के बीच केंद्रीय आवासन और शहरी कार्य राज्य मंत्री तोखन साहू, उप मुख्यमंत्री तथा खेल एवं युवा कल्याण मंत्री अरुण साव, सांसद कमलेश जांगडे, पूर्व मंत्री महेश गांगडू और पूर्व अंतरराष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी नीता डुमरे भी आज मैच देखने पहुंचे। उन्होंने पुरस्कार प्रदान किए। उप मुख्यमंत्री श्री साव तमाम व्यस्तताओं के बावजूद आज लगातार तोखन साहू के देखने हॉकी स्टेडियम पहुंचे। आज के मैच में हार के साथ ही राजधानी रॉयल्स के



सेमीफाइनल में पहुंचने का रास्ता लगभग बंद हो गया है। मैच के पहले क्वार्टर में ज्यादातर समय खेल काफी सुस्त रहा। दोनों टीमों

मिडफील्ड में ही गेंद को घुमाती
 रहीं और बहुत कम बार ही विपक्षी
 सर्कल के अंदर पहुंच पाईं। क्वार्टर
 के अंत में मैनपाट टाइटन्स ने तेजी

दिखाते हुए सर्कल के अंदर एक मौका बनाया, जिस पर मनीष वर्ट्ट ने गोल करके टीम को बढ़त दिलाई।

इसके जवाब में राजधानी रॉयल्स ने भी वापसी की कोशिश की। रोशन ने सर्कल के बाहर से अनिकेत को गैंग पास की, जिस पर अनिकेत ने गोल करके स्कोर बराबर कर दिया। इसके लगभग 30 सेकंड बाद ही रोशन ने टाइटल्स के गोलकीपर अल्फांज़ो खान को छकाते हुए गोल कर दिया, जिसे रेफरी ने अमान्य करार दिया। मैनपाट के संदीप ठाकुर को मिडफील्ड से एक बेहतरीन पास मिला, जिस पर उन्होंने गोल करके हाफ-फाइनल टीम को 2-1 की बढ़त दिल दी। इसके बाद ललित ने शानदार खेल दिखाते हुए काफी दूर से गेंद को उछालकर (स्कूप करके) रोशन के पास पहुंचाया, जिस पर रोशन ने गोल में बदल दिया। इस शायद इस टूर्नामेंट का 'सर्वश्रेष्ठ

गोल' कहा जा सकता है। इसी क्वार्टर में मोहित नायक ने रियस फिल्टर के जरिए गोल करके मैनापट को बढ़त को और मजबूत कर दिया।

इसके बाद राजधानी रॉयल्स को ओर से कुछ कमजोर खेल देखने को मिला, जिसका फायदा उठाते हुए प्रिन्स ने गोल किया और मैनापट टाइड्स को बढ़त 4-2 हो गई। रॉयल्स के लिए यह मैच यहीं खत्म हो गया, क्योंकि वे कोई खास हमला नहीं कर पाए रॉयल्स के लिए सबसे बड़ी समस्या यह रही वे पेनल्टी कॉर्नर को गोल में नहीं बदल सके। इसके जरिए वे कोई गोल नहीं कर पाए। मैच खत्म होने के बाद मोहित नायक को 'स्ट्राइकर ऑफ द मैच' और 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया।

संभावित वर्षा को लेकर कबीरधाम जिला प्रशासन अलर्ट

कवर्धा । चक्रवात के प्रभाव से छत्तीसगढ़ में आगामी दिनों में बारिश होने की संभावना को देखते हुए मौसम विभाग ने प्रदेश के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार चक्रवात के उत्तरी आंध्र प्रदेश तट पर लैंडफॉल करने की संभावना है। इसके प्रभाव से 27 अक्टूबर को सुकमा और दंतवाड़ा जिले में, जबकि 28 एवं 29 अक्टूबर को प्रदेश के सभी जिलों में बारिश होने की संभावना जताई गई है। मौसम की संभावित स्थिति को देखते हुए कलेक्टर श्रीमती तुलिका प्रजापति ने जिला प्रशासन के सभी संबंधित विभागों को अलर्ट पर रहने और आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए प्रशासन पूरी तरह सतर्क रहे तथा जनहानि रोकना सर्वोच्च प्राथमिकता हो।

कलेक्टर ने जिला एवं तहसील स्तर पर कंट्रोल रूम सक्रिय रखने तथा मौसम विभाग की चेतावनियों पर लगातार नजर रखने के निर्देश दिए हैं। राजस्व, पुलिस, नगरीय निकाय, पंचायत, स्वास्थ्य, विद्युत सहित अन्य संबंधित विभागों को सतर्क रहने और आपसी समन्वय के साथ कार्य करने को कहा गया है। बारिश की आशंका को देखते हुए निचले इलाकों, जलभराव वाले स्थानों और बाढ़ संभावित क्षेत्रों को पहचान कर आवश्यकतानुसार राहत एवं बचाव की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही एसडीआरएफ, होमगार्ड एवं अन्य बचाव दलों को आवश्यक उपकरणों के साथ तैयार रखने को कहा गया है, ताकि ज़रूरत पड़ने पर तत्काल कार्रवाई की जा सके।

डबल मर्डर का खुलासा, दस लाख रुपये के लेनदेन में शराब में सुहागा मिलाकर पार्षद समेत दो लोगों की हत्या

जांजगीर-चांपा । जिले के पामगढ़ थाना क्षेत्र में दो लोगों की संदिग्ध मौत के मामले में पुलिस ने बड़ा खुलासा किया है। पुलिस के मुताबिक, ग्राम पनगांव निवासी राजा उर्फ कमलनाथ खरे ने दस लाख रुपये के लेनदेन को लेकर जोहित खरे और रामखिलावन जांगड़े की हत्या की साजिश रची थी। आरोप है कि आरोपी ने शराब में सुहागा मिलाकर दोनों को पिला दिया, जिसके बाद उनकी तबीयत बिगड़ गई और इलाज के दौरान दोनों की मौत हो गई। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजने की कार्रवाई शुरू कर दी है।

पूरा मामला 23 अक्टूबर की रात का है, जब ग्राम कुटुराबोड़ हेलीपैड के पास एक चखना दुकान में शराब पीने के बाद

जोहित खरे और रामखिलावन जांगड़े की तबीयत बिगड़ गई। दोनों को बिलासपुर के अलग-अलग अस्पतालों में भर्ती कराया गया, जहां 24 अक्टूबर को इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में जहर दिए जाने की जानकारी सामने आने के बाद पामगढ़ पुलिस ने जांच शुरू की। मृतक जोहित खरे की बेटी मनीषा खरे की रिपोर्ट के अनुसार, आरोपी राजा खरे ने करीब चार महीने पहले उनके पिता से दस लाख रुपये उधार लिए थे। पैसे वापस मांगने पर चेक भी दिए गए, लेकिन वे बाउंस हो गए थे। पुलिस के अनुसार, इसी लेनदेन से परेशान होकर आरोपी ने हत्या की योजना बनाई और शराब में सुहागा मिलाकर दोनों को पिला दिया।

अंतर महाविद्यालय पुरुष क्रॉस कंट्री 10 किमी दौड़ में समीर कुमार ने जीता स्वर्ण पदक

बालोद । शासकीय घनश्याम सिंह गुप्त स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बालोद के छात्र समीर कुमार ने अंतर महाविद्यालय पुरुष क्रॉस कंट्री 10 चट्ट दौड़ प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक हासिल किया। तथा ऑल इंडिया अंतर विश्वविद्यालयीन क्रॉस कंट्री दौड़ प्रतियोगिता के लिए क्वालीफाई कर महाविद्यालय एवं जिले का नाम गौरवान्वित किया। यह प्रतियोगिता 24 अक्टूबर 2026 को शासकीय महाविद्यालय, नवागढ़, जिला बेमेतरा (छत्तीसगढ़) के आयोजन में संपन्न हुई। प्रतियोगिता में दुर्गा, बेमेतरा, राजनांदगांव, बालोद, अंबागढ़ चौकी एवं कबीरधाम जिलों के खिलाड़ियों ने भाग लिया। विभिन्न जिलों के खिलाड़ियों के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा में समीर कुमार ने अपनी प्रतिभा, मेहनत, अनुशासन और खेल कौशल का उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया। इस सफलता के पीछे महाविद्यालय के खेल



अधिकारी श्री मनीष टोप्पो का महत्वपूर्ण योगदान रहा। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रतियोगिता के लिए तैयार करने में कड़ी मेहनत की तथा नियमित अभ्यास, उचित मार्गदर्शन और प्रोत्साहन के माध्यम से खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाया। उनके प्रयासों से महाविद्यालय के खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर मिला। समीर कुमार की इस उपलब्धि से महाविद्यालय

{ छत्तीसगढ़ }

राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा ने 70 लाख के विभिन्न विकास कार्यों का किया लोकार्पण व भूमिपूजन

तिल्दा नेवरा । राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा विकासखंड बलौदाबाजार के ग्राम पौंसरी, मगरवाय, बुड़गहन,और पूरेना मे 70 लाख रुपए के विकास कार्यों का लोकार्पण व भूमिपूजन किया। इस दौरान ग्रामीणों की मांग पर लगभग 57 लाख रुपए के विभिन्न निर्माण कार्यों की घोषणा भी की। इसमें ग्राम पौंसरी मे 10 लाख रुपए के शोड निर्माण 5 लाख रुपए के बाउंड्रीवाल,ग्राम मगरवाय मे 10 लाख रुपए के शोड निर्माण,ग्राम बुड़गहन मे 20 लाख रुपए के चेक डेम निर्माण और ग्राम पुरेना मे 7 लाख रुपये के अतिरिक्त कक्ष एवं 5 लाख रुपए के रंगमंच निर्माण शामिल है।



कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए मंत्री वर्मा ने कहा कि इन गांव मे लोकार्पण और भूमिपूजन दिखाता है कि गांव मे विकास हो रहा है। हमारी सरकार गरीबों की चिंता करने वाली है,इसीलिए गांव के विकास मे जोर दे रही है। हमने

मोदी की गारंटी के तहत महतारी वंदन योजना,3100 रुपए मे धान खरीदी के वायदे को पूरा किया है।अब महतारी वंदन योजना से महिलाएं आत्मनिर्भर हो रही हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की सरकार मे

पारदर्शिता है और भ्रष्टाचार कहीं नहीं है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के संकल्पना को सब मिलकर पूरा करेंगे इन विकास कार्यों का हुआ

सरपंचों की मांगों को शासन के समक्ष प्रमुखता से उठाएंगे विधायक भोलाराम साहू



छुरिया । सरपंच संघ छुरिया के प्रतिनिधिमंडल ने विधायक भोलाराम साहू को जापन सौंपकर ग्राम पंचायतों की विभिन्न समस्याओं एवं मांगों से अवगत कराया। प्रतिनिधिमंडल ने 16वें वित्त आयोग की राशि नियमित एवं समयबद्ध रूप से उपलब्ध कराने, मनरेगा के लंबित सामग्री भुगतान शीघ्र जारी करने तथा सरपंचों के मानदेय में सम्मानजनक वृद्धि करने की मांग रखी। इस पर विधायक भोलाराम

साहू ने सरपंच प्रतिनिधियों को आश्स्त किया कि ग्राम पंचायतों एवं सरपंचों की जायज मांगों को शासन के समक्ष प्रमुखता से उठाया जाएगा तथा उनके निराकरण के लिए हरसंभव प्रयास किया जाएगा। उन्होंने कहा कि ग्राम पंचायतें ग्रामीण विकास की महत्वपूर्ण इकाई हैं। पंचायतों को समय पर राशि मिलने से विकास कार्यों को गति मिलेगी और मनरेगा के लंबित भुगतान का निराकरण

होने से पंचायतों को आर्थिक परेशानियों से राहत मिलेगी। विधायक ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों के विकास और पंचायत प्रतिनिधियों की समस्याओं के समाधान के लिए वे संबंधित विषयों पर शासन का ध्यान आकर्षित करेंगे। इस अवसर पर सरपंच संघ छुरिया के अध्यक्ष दीनदयाल साहू, सचिव अजय साहू, संरक्षक नरेश शुक्ला सहित अन्य सरपंच प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

फसलों की सुरक्षा के लिए किसानों को सतर्क रहने की सलाह, मौसम विभाग ने जारी किया ऑरेंज अलर्ट

बालोद । कलेक्टर दिव्या उमेश मिश्रा के निर्देशानुसार जिले में किसानों को मौसम की स्थिति को देखते हुए फसलों की सुरक्षा के लिए सतर्क रहने की सलाह दी गई है। मौसम विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार बंगाल की खाड़ी में सक्रिय चक्रवात के प्रभाव से छत्तीसगढ़ में 27 अक्टूबर से मौसम में बदलाव होने तथा कई क्षेत्रों में तेज हवाओं के साथ बारिश होने की संभावना है। मौसम विभाग ने संभावित खराब मौसम को देखते हुए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। किसानों की मेहनत से तैयार फसल को नुकसान से बचाने के लिए कृषि विभाग ने आवश्यक सावधानियां बरतने की अपील की है। विभाग ने किसानों को सलाह दी है कि वे मौसम के पूर्वानुमान पर लगातार नजर रखें और फसल की सुरक्षा के लिए समय रहते उचित कदम उठाएं।

फसल सुरक्षा के लिए अपनाएं ये उपाय-
कटी हुई फसल सुरक्षित रखें
खेतों में पकी हुई फसल की कटाई कर ली गई है, तो उसे जल्द सुरक्षित स्थान पर पहुंचाएं। खलिहान में रखी फसल को तिरपाल से अच्छी तरह ढंक कर रखें।
खेतों में जल निकासी की व्यवस्था करें
बारिश की संभावना को देखते हुए खेतों में पानी जमा होने से रोकने के लिए जल निकासी नालियां तैयार रखें, ताकि फसल को जलभराव से बचाया जा सके।
फसल को नुकसान से बचाएं

मंडियों में रखी उपज की सुरक्षा करें
मंडियों में बिज्जी के लिए रखी गई फसल को बारिश से बचाने के लिए ढककर रखें, ताकि उपज खराब न हो।
मौसम की जानकारी लेते रहें किसान
कृषि विभाग ने किसानों से अपील की है कि वे आकाशीय बिजली चमकने और तेज हवाएं चलने के दौरान खेतों में काम करने से बचें। मौसम संबंधी स्थानीय सूचनाओं के लिए रेडियो, टेलीविजन और मोबाइल के माध्यम

27 से 29 अक्टूबर के दौरान फसल की कटाई, कड़ाई या अन्य कृषि कार्यों में सावधानी बरतें। फसल को सुरक्षित रखने के लिए आवश्यक प्रबंध करें।

शंकर अग्रवाल ने कार्यकर्ताओं को एकजुटता, सक्रियता और समर्पण के साथ कार्य करने का मंत्र दिया। जिला महामंत्री अमित तिवारी ने संगठनात्मक समन्वय और सामूहिक प्रयासों को महत्वपूर्ण बताया। भाजपा का यह अभियान जमीनी स्तर पर संगठन को मजबूत बनाने और कार्यकर्ताओं को चुनाव के लिए तैयार करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है। बैठकों में शांतिपूर्ण एवं

राजस्व मंत्री वर्मा ने इस दौरान ग्राम पौंसरी में सामुदायिक भवन लागत 6.50 लाख, रंगमंच लागत 5 लाख , ग्राम मगरवाय में सीसी रोड निर्माण लागत 10 लाख,ग्राम बुड़गहन में बाढ़ आपदा भवन लागत 20 लाख, रंगमंच निर्माण लागत 5 लाख, ग्राम पूरेना में सीसी रोड निर्माण लागत 10 लाख का लोकार्पण एवं ग्राम मगरवाय के शासकीय प्राथमिक शाला में 2 अतिरिक्त कक्ष निर्माण लागत 10 लाख, किचन शोड निर्माण लागत 5 लाख, रंगमंच निर्माण लागत 3.50 लाख का भूमि पूजन किया।

बालोद । गाँव झालमला जिला बालोद म शादीय नवरात म गंगा मइया मंदिर झलमला म 1300 जोत जंवारा जलाय गे रहिस हे, एकम से लेकर दसम तक अलग-अलग कार्यक्रम होवत रहिस जेमा कीर्तन, नाचा, जसगीत, रामधुनी, झांकी- झालमला गाँव के आस पास के मनखे मन देखे बर आवत रहिस हे, गाँव झलमला गंगा मंदिर म 1300 जोत ल छत्तीसगढ़ के जम्मी जिला के संगे-संग दूसर राज के मनखे मन घलो जोत जलाए रहिन हे. बनारस ल आय पंडित महाराज मन, रोज संझा बिहिनिया हवन कुण्ड म दुर्गा चालिसा पाठ करत रहिन अरु गंगा मइया के आरती ठीक सात बजे होवत रहिस आरती बोरो महीना सात बजे बिहिनिया अरु संझा होथे, गंगा मइया के उद्गम भुइया बांधा तरिया म पंचमी के दिन महाआरती के होइस हावय, इतिहास म पहली बेरा गाँव के भगत मन सकलाय रहिस अरु महाआरती करिन हावय, संझा के बेर तरिया म इन्द्रधनुष चमकल हे जइसे लगत रहिस। अष्टमी के दिन एक हजार एक सौ पचास कन्या भोज कराय गिस जेमा दरसन करे बर आये कन्या मन घलो शामिल होय रहिस। गाँव के महिला मन पंच सरपंच के सहयोग से कन्या भोज कराईन, नवमी के दिन संझा पाँच बजे दो सौ जोत जंवारा के विसर्जन गाजा-बाजा, डांग लेके बांधा तरीया म करे गीस , जेला देखे बर गाँव अरु आस पास के मनखे मन के रेला लगे रहिस, जोत जंवारा जगमग चमकत रहिस जइसे बिजली ह चमकथे।

शंकर अग्रवाल ने कार्यकर्ताओं को एकजुटता, सक्रियता और समर्पण के साथ कार्य करने का मंत्र दिया। जिला महामंत्री अमित तिवारी ने संगठनात्मक समन्वय और सामूहिक प्रयासों को महत्वपूर्ण बताया। भाजपा का यह अभियान जमीनी स्तर पर संगठन को मजबूत बनाने और कार्यकर्ताओं को चुनाव के लिए तैयार करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है। बैठकों में शांतिपूर्ण एवं

देवमती को मिनी माता महतारी जतन योजना से मिला आर्थिक संबल

गौरेला पेंड्रा । मरवाही, छत्तीसगढ़ शासन की जनकल्याणकारी मिनी माता महतारी जतन योजना जरूरत मंद श्रमिक परिवारों के लिए आर्थिक संबल का माध्यम बन रही है। इस योजना के माध्यम से पात्र हितग्राहियों को आर्थिक सहायता प्रदान कर उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने का प्रयास किया जा रहा है। इसी कड़ी में गौरेला विकासखंड के ग्राम पंचायत कोरजा की श्रीमती देवमती को मिनी माता महतारी जतन योजना के तहत 20 हजार रुपये की आर्थिक सहायता प्राप्त हुई है। यह राशि उनके लिए आर्थिक सहयोग का महत्वपूर्ण माध्यम बनी है। योजना से मिली इस सहायता ने उन्हें राहत प्रदान की और परिवार की आवश्यकताओं को पूरा करने में सहयोग दिया।

गंगा मइया में जंवरा विसर्जन, नौ दिनों तक रही भक्ति



नव दिन ले भारी मेला भरायें रहिस, रात म कुंभ मेला जइसे लगत रहिस अवैया भात मन के सेवा बर दाल - भात , पूरी-साग, खिचड़ी के घलो जोर दार बेवस्था गंगा मइया समिति डहर ले खरे गे रहिस. अवइया जवैया भगत मनखे मन प्रसादी के लाभ लेवत रहिन , नवरात के नवदिन तक मन्दिर म गंगा मइया के दरसन करइया मनखे मन ल बूंदी के परसाद मिलत रहिस , अरु घर ले जाय बर बूंदी परसाद गंगा मइया समिति डहर ले देवत रहिन, नवरात मेला के देख रेख बर हजारो के संख्या म पुलिस बल तइनात रहिस अउ वाहन के रख-रखाव करत रहिस, भगत मनखे के स्वास्थ के जाँच इलाज करे बर सामुदायक स्वा. केन्द्र लाटाबोड के स्वास्थ अधिकारी अरु करमचारी दिन-रात तइनात रहिन।

जांजगीर-चांपा ।मौसम विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार, चक्रवाती तूफान के प्रभाव से छत्तीसगढ़ में 27 से 29 अक्टूबर 2026 तक वर्षा होने की संभावना है। इसे देखते हुए कलेक्टर जन्मेजय महोबे एवं पुलिस अधीक्षक विजय कुमार पांडेय ने अधिकारियों की बैठक लेकर संभावित स्थिति से निपटने के लिए एका ज राही तैयारियों की समीक्षा की। बैठक में अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने, मौसम की स्थिति पर लगातार नजर रखने और आवश्यकता के अनुसार त्वरित कदम उठाने के निर्देश दिए। उन्होंने जिला एवं तहसील स्तर पर आपदा प्रबंधन वितरण कक्ष को सक्रिय रखने तथा संबंधित विभागों को अपने



मैदानी अमले के साथ समन्वय बनाए रखने को कहा।नगरीय निकायों एवं पंचायतों को संभावित जलभराव से निपटने के लिए आवश्यक तैयारियां रखने के निर्देश भी दिए गए। संभावित वर्षा के मद्देनजर शिवरीनारायण सहित महानदी एवं हसदेव नदी के आसपास के क्षेत्रों की स्थिति पर विशेष नजर रखने को कहा गया।मुनादी के माध्यम से स्थानीय नागरिकों को सतर्क करने तथा नदी किनारे एवं

निचले क्षेत्रों में सुरक्षा संबंधी सावधानियां बरतने के निर्देश दिए गए। बैठक में गंगरेल एवं बांगो बांध से पानी छोड़े जाने की स्थिति में संबंधित विभागों को समय पर सूचना साझा करने और आपसी समन्वय बनाए रखने को कहा गया। साथ ही जिला आपदा राहत बल को आवश्यक तैयारियां रखने तथा राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल के साथ समन्वय बनाए रखने के निर्देश दिए गए।

बालोद । भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष चेमन देशमुख ने संस्कृत भाषा के आदि कवि एवं सनातन संस्कृति के अमर ग्रंथ रामायण के रचयिता महर्षि वाल्मीकि की पावन जयंती के अवसर पर समस्त प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। भाजपा जिला अध्यक्ष चेमन देशमुख ने कहा कि महर्षि वाल्मीकि का जीवन और उनकी कृतियाँ मानवता के लिए युगों-युगों तक प्रेरणा का स्रोत हैं। उन्होंने प्रभु श्री राम के आदर्श चरित्र, सत्य, मर्यादा, धर्म और समरसता के मानवीय मूल्यों को रामायण के रूप में लोकमानस के सामने प्रस्तुत कर समाज को एक शाश्वत दिशा प्रदान की। उन्होंने कहा कि महर्षि वाल्मीकि का जीवन यह दिव्य संदेश देता है कि दृढ़ संकल्प, ज्ञान



और साधना के बल पर जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाकर परम चेतना और महता को प्राप्त किया जा सकता है। उनका समरसता और समानता का चिंतन आज के समय में समाज को एकजुट रखने और राष्ट्र निर्माण में अत्यंत प्रासंगिक है। उन्होंने आह्वान किया कि हम सभी महर्षि वाल्मीकि की जयंती पर प्रभु श्री राम के मर्यादा, न्याय और सामाजिक सद्भाव के आदर्शों को अपने आचरण में उतारने तथा एक समरस व सशक्त समाज के निर्माण का संकल्प लें।

सारंगढ़ । आगामी चुनाव को लेकर भारतीय जनता पार्टी ने संगठन को मजबूत करने और चुनावी तैयारियों को गति देने के उद्देश्य से वार्ड स्तर पे सघन जनसंपर्क व बैठक अभियान की शुरुआत कर दी है। जिला प्रभारी शंकर अग्रवाल के मार्ग दर्शन में जिला महामंत्री अमित, मंडल प्रभारी स्वनिष्ठ स्वर्णकार, मंडल अध्यक्ष निखिल बानी एवं जिपं अध्यक्ष संजय पांडे भाजपा पदाधिकारी, कार्य कर्ता विभिन्न वार्डों में बैठककर चुनावी रणनीति तैयार कर रहे हैं। बैठकों में कार्यकर्ताओं को जनसंपर्क अभियान को प्रभावी बनाने, बूथ स्तर पर संगठन को मजबूत करने तथा मतदाताओं से निरंतर संवाद स्थापित करने को लेकर मार्गदर्शन दिया जा रहा है। जिला प्रभारी



शंकर अग्रवाल ने कार्यकर्ताओं को एकजुटता, सक्रियता और समर्पण के साथ कार्य करने का मंत्र दिया। जिला महामंत्री अमित तिवारी ने संगठनात्मक समन्वय और सामूहिक प्रयासों को महत्वपूर्ण बताया। भाजपा का यह अभियान जमीनी स्तर पर संगठन को मजबूत बनाने और कार्यकर्ताओं को चुनाव के लिए तैयार करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है। बैठकों में शांतिपूर्ण एवं

लोकतांत्रिक तरीके से चुनाव लड़ने, आपसी तालमेल बनाए रखने तथा प्रत्येक वार्ड में सक्रियता बढ़ाने पर जोर दिया गया। इस अवसर पर पूर्व विधायक श्रीमती केराबाई मनहर, जगन्नाथ केशरवानी, भुवन मिश्रा, मनोज मिश्रा, अमित अग्रवाल, अजा मोर्चा के प्रदेश महामंत्री हरिनाथ खूटे, जीवन रात्रे, वीरेंद्र निराला सहित मंडल के महामंत्री, पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

जनपद CEO के आदेश को ठेंगा दिखा रहे रमतला के सरपंच-सचिव, 24 घंटे का अल्टी मेटम भी बेअसर

सारंगढ़ बिलाईगढ़ जपं के तहत ग्रापं रमतला में वर्तमान सरपंच और सचिव द्वारा शासकीय आदेशों की खुलेआम अवहेलना का मामला सामने आया है। **CEO** जपं बिलाईगढ़ द्वारा 24 घंटे में भुगतान का सख्त निर्देश और नोटिस दिए जाने के 25 दिन बाद भी पीड़ित पूर्व सरपंच के हक की राशि का भुगतान नहीं किया गया है। ग्रापं रमतला के पूर्व सरपंच ईश्वर भारती द्वारा प्रधानमंत्री आदर्श ग्राम योजना के तहत पंचायत में विभिन्न विकास कार्य कराए गए थे। इन कार्यों की अंतिम बिस्त की राशि कुल 6, 74, 863.00 रुपये जनपद कार्यालय द्वारा दिनांक 27 अप्रैल 2026 को ही ग्राम पंचायत रमतला के भारतीय स्टेट बैंक शाखा बिलाईगढ़ के खाता क्रमांक 3227298 725 में जमा करा दी गई थी। नियमत इस



राशि का भुगतान तत्काल कार्य कराने वाले पूर्व सरपंच को हो जाना चाहिए था, लेकिन आरोप है कि वर्तमान सरपंच और सचिव ने इस राशि को दबाकर रख लिया, मामला संज्ञान में आने पर मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने पत्र क्रमांक 6504/ **PMAGY**/ ज.पं./ 2026 दिनांक 25/09/2026 को अत्यंत सख्त आदेश जारी किया था। आदेश में स्पष्ट लिखा था कि पत्र प्राप्ति के 24 घंटे के भीतर पूर्व सरपंच को नियमानुसार राशि का भुगतान कर पावती कार्यालय में प्रस्तुत करें। ईश्वर ने चेतावनी दी थी कि ऐसा न करने पर उनके खिलाफ जिला

कार्यालय को दंडात्मक व वैधानिक कार्रवाई हेतु पत्र लिखा जाएगा, जिसकी संपूर्ण जिम्मेदारी सरपंच-सचिव की होगी। पूर्व सरपंच ईश्वर भारती के अनुसार जब उक्त खाते की जांच कराई गई तो पंचायत खाते से राशि गायब मिली। नियमानुसार यह राशि सीधे संबंधित बैंडर या कार्य कराने वाले को मिलनी थी। लेकिन सूत्रों और बैंक रिकॉर्ड के अनुसार वर्तमान सरपंच व सचिव ने मिली भगत कर करीब 4 महीने पहले ही इस पूरी राशि को शा. खाते से आहरित कर लिया है। इस की शिकायत पूर्व सरपंच द्वारा कलेक्टर जनदर्शन में भी की गई थी। हैरानी की बात है कि जनपद इश्वर द्वारा दिए गए अल्टीमेटम की अवधि समाप्त होने के 25 दिन बाद भी वर्तमान सरपंच और सचिव पर कोई असर नहीं हुआ।

बढ़ते अपराधों पर हरमीत सिंह होरा ने जताई चिंता, बोले— पुलिस प्रशासन की सख्ती जरूरी

धमतरी। धमतरी में लगातार बढ़ रही अपराधिक घटनाओं को लेकर नागरिक सहकारी बैंक के अध्यक्ष एवं कांग्रेस नेता हरमीत सिंह होरा ने चिंता व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि शहर में अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस प्रशासन को सख्ती से कार्रवाई करने की जरूरत है। आए दिन चाकू-छुरी निकालकर लोगों को डराने-धमकाने और परेशान करने की घटनाएं सामने आ रही हैं। इससे आम नागरिकों में भय का माहौल बन रहा है। हरमीत सिंह होरा ने कहा कि धमतरी में कानून का भय अपराधियों के मन में होना चाहिए, लेकिन वर्तमान परिस्थितियों में कुछ असामाजिक तत्व बेवैध होकर आपराधिक गतिविधियों को अंजाम दे रहे हैं। यदि समय रहते ऐसे तत्वों पर प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई, तो शहर की कानून-व्यवस्था के सामने गंभीर चुनौती खड़ी हो सकती है। उन्होंने मराठापारा वार्ड में कथित रूप से लाल गैंग बनाकर नकाबपोश लोगों के पहुंचने और अपना रुतबा दिखाने की घटना का उल्लेख करते हुए कहा कि ऐसे मामलों को पुलिस प्रशासन को गंभीरता से लेना चाहिए।

शराब में सुहागा मिलाकर दो लोगों को पिलाने का आरोप ; पुलिस ने घटनास्थल से साक्ष्य किए जब्त

जांजगीर-चांपा । छत्तीसगढ़ के पामगढ़ थाना क्षेत्र में दो लोगों की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत के मामले में पुलिस ने खुलासा करते हुए राजा उर्फ कमलनाथ खरे को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, मृतक जोहित खरे से लिए गए 10 लाख रुपये के कर्ज और पैसों की वापसी को लेकर चल रहे विवाद को इस घटना की वजह बताया गया है।

पुलिस अधीक्षक विजय कुमार पाण्डेय के अनुसार, 23 अक्टूबर की शाम ग्राम पनगांव निवासी जोहित खरे और नेवराबंद निवासी रामखिलावन जांगड़े घर से निकले थे। इसके बाद दोनों की शराब पीने के बाद संवीयत बिगड़ गई। उन्हें उपचार के लिए बिलासपुर के अस्पतालों में भर्ती कराया गया, जहां 24 अक्टूबर को इलाज के दौरान दोनों की मौत हो गई। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में जहरखुरानी



की आशंका सामने आने के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू की। मृतक जोहित खरे की बेटी मनीषा खरे से पूछताछ के दौरान पुलिस को पैसों के लेन-देन और आरोपी राजा खरे से जुड़े विवाद की जानकारी मिली। जांच में सामने आए तथ्यों के अनुसार, राजा उर्फ कमलनाथ खरे ने जोहित खरे से घरेलू खर्च और

कारोबार से जुड़ी जरूरतों के लिए करीब 10 लाख रुपये उधार लिए थे। रकम वापस करने को लेकर दोनों के बीच विवाद चल रहा था। रकम की वापसी के लिए दिए गए चेक भी बर्दास हो गए थे। पुलिस का कहना है कि इसी आर्थिक विवाद के चलते आरोपी ने दोनों को नुकसान पहुंचाने की योजना बनाई।

महिलाओं की मेहनत और एकजुटता से मजबूत हो रहा ग्रामीण समाज: किरण

छुरिया। -विकाखखंड छुरिया के ग्राम पड़गुड़ा एवं खुसीपार में बिहान समूहों द्वारा आयोजित वार्षिक अधिवेशन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जिला पंचायत राजनांदगांव की अध्यक्ष श्रीमती किरण रविन्द्र वैष्णव शामिल हुईं। उन्होंने महिला स्व-सहायता समूहों की दीदियों से आत्मीय संवाद करते हुए उनके कार्यों, अनुभवों और उपलब्धियों की जानकारी ली तथा महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने के लिए निरंतर आगे बढ़ने का आह्वान किया। साथ ही इस अवसर पर जनपद पंचायत छुरिया सभापति श्रीमती भेष बाई साहू, छिलेश्वर साहू अध्यक्ष भाजपा मंडल गैदाटोला, कुमार साय साहू उपाध्यक्ष भाजपा मंडल गैदाटोला, भंवर लाल साहू, मनखुशी बघेल, श्रीमती हीना शिंदे महिला मोर्चा अध्यक्ष, श्रीमती किर्ती गंगासागर



संरपंच मुजालकला, जानकी कौशल संरपंच ग्राम पंचायत पदगुड़ा, श्रीमती लता बाई, श्रीमती हिरवंतीन बाई, श्रीमती हसीना जोशी, श्रीमती चंद्रकला बघेल, श्रीमती तुलसी बघेल सहित बड़ी संख्या में बिहान समूह की महिलाएं उपस्थित रहीं। ग्राम पड़गुड़ा में जय माँ प्रगति ग्राम संगठन द्वारा आयोजित वार्षिक अधिवेशन में शामिल होकर श्रीमती वैष्णव ने बिहान समूह की महिलाओं का

उत्साहवर्धन किया। वहीं ग्राम खुसीपार में छत्तीसगढ़ महतारी ग्राम संगठन द्वारा आयोजित वार्षिक अधिवेशन में भी उन्होंने सहभागिता की। दोनों स्थानों पर महिलाओं ने संगठन की गतिविधियों, स्व-सहायता समूहों के माध्यम से किए जा रहे कार्यों तथा आजीविका से जुड़ी पहल की जानकारी साझा की। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि श्रीमती किरण रविन्द्र वैष्णव ने कहा कि महिला सशक्तिकरण

और आत्मनिर्भरता के क्षेत्र में बिहान समूहों की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है। स्व-सहायता समूहों से जुड़कर ग्रामीण महिलाएं न केवल आर्थिक रूप से मजबूत हो रही हैं, बल्कि परिवार और समाज के विकास में भी महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं। उन्होंने कहा कि महिलाओं की मेहनत, एकजुटता और आत्मविश्वास ग्रामीण विकास की नई तस्वीर गढ़ रहे हैं। उन्होंने बिहान समूह की सभी

दीदियों को उनके उत्कृष्ट कार्यों के लिए शुभकामनाएं देते हुए कहा कि शासन की योजनाओं का लाभ लेकर महिलाएं अपने समूहों को और मजबूत करें तथा अन्य महिलाओं को भी आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करें। साथ ही कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहीं जनपद पंचायत सभापति श्रीमती भेष बाई साहू ने कहा कि बिहान से जुड़ी महिलाएं अपनी मेहनत और एकजुटता से नई मिसाल कायम कर रही हैं। उन्होंने कहा कि महिलाओं की आर्थिक मजबूती ही परिवार और समाज की मजबूत नींव है, इसलिए स्व-सहायता समूहों को हरसंभव सहयोग मिलना चाहिए। इस अवसर पर बिहान समूहों की दीदियां, ग्राम संगठन की पदाधिकारी एवं सदस्य तथा ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

बिरा के राज्य मार्ग में बना जानलेवा गड्ढा से वाहन चालक परेशान

बिरा । लोक निर्माण विभाग संभाग जांजगीर चांपा के अंतर्गत ग्राम पंचायत बिरा के बसंतपुर रोड पर राज्य मार्ग में बहुत बड़ा जानलेवा नुमा गड्ढा बन गया है। राज्य मार्ग में बने जानलेवा नुमा बड़े गड्ढे में वाहन चालक गिरकर चोटिल हो रहे हैं। जिसके कारण आने जाने वाले वाहन चालकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। गौरतलब है कि जनपद पंचायत बम्हनीडीह के अंतर्गत ग्राम पंचायत बिरा के बसंतपुर रोड में राज्य मार्ग पर बहुत बड़ा जानलेवा नुमा गड्ढा हो गया है और उसे गड्ढे में नाली का पानी भर गया है जिसके कारण आने जाने वाले वाहन चालकों को दिखाई नहीं दे रहा है और उसे गड्ढे में वाहन चालक गिरकर दुर्घटना का शिकार हो रहे हैं। इस



संबंध में स्थानीय ग्रामीणों से मिली जानकारी के अनुसार बिरा के बसंतपुर भटगांव रोड पर राज्य मार्ग में एक बहुत बड़ा तालाब जैसे जानलेवा नुमा गड्ढा बन गया है। और उस गड्ढे में पानी भरने के कारण दिखाई नहीं दे रहा है। मोटरसाइकिल चलने वाले और उसमें सवार होकर चलने वाले दर्जनों लोग गिरकर दुर्घटना में घायल हो चुके हैं। इसके बावजूद भी जिम्मेदार

लोक निर्माण विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी राज्य मार्ग में मरम्मत करवाने की बजाय कुर्सी में बैठकर कार्यालय की शोभा बढ़ा रहे हैं। बहरहाल कारण चाहे जो भी हो लेकिन इस राज्य मार्ग में चलने वाले वाहन चालकों को सड़क के मध्य में तालाब नुमा जानलेवा गड्ढा बन जाने से बेवजह भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

वीबी जीरामजी योजना से दीपावली से पूर्व 90 श्रमिकों को मिल रहा काम

रायपुर। वीबी जीरामजी योजना के अंतर्गत गुंडरदेही विकाखखंड के ग्राम पंचायत बघेली में सामुदायिक उपयोग हेतु परकोलेशन टैंक बघेली भाठा का निर्माण कार्य प्रगतिरत है। इस कार्य के माध्यम से ग्रामीणों को स्थानीय स्तर पर रोजगार उपलब्ध हो रहा है, वहीं जल संरक्षण एवं भूजल स्तर में वृद्धि की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की जा रही है।

वर्तमान में उक्त निर्माण कार्य में 90 श्रमिक नियोजित हैं। दीपावली जैसे प्रमुख त्योहार से पूर्व ग्रामीण श्रमिकों को अपने ही गांव में रोजगार मिलने से उन्हें परिवार की आवश्यकताओं को पूरा करने तथा त्योहार की तैयारियों में आर्थिक सहायता प्राप्त हो रहा है। स्थानीय स्तर पर रोजगार मिलने से ग्रामीण



परिवारों की आजीविका को सहारा मिल रहा है तथा गांव की आर्थिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिल रहा है। परकोलेशन टैंक वर्षा जल को एकत्रित कर उसे धीरे-धीरे भूमि के भीतर रिसने में सहायता करता है। इससे भूजल पुनर्भरण की संभावनाएं बढ़ती हैं तथा जल स्रोतों के संरक्षण में मदद मिलती

है। इस संरचना से आसपास के क्षेत्र में मिट्टी की नमी बनाए रखने तथा कुओं एवं अन्य भूजल स्रोतों को लाभ पहुंचाने में सकारात्मक योगदान मिलने की उम्मीद है। साथ ही, वर्षा जल के बेहतर प्रबंधन और जल संरक्षण के प्रति ग्रामीणों में जागरूकता बढ़ाने में भी यह कार्य उपयोगी सिद्ध होगा।

स्वच्छ धरा वेलफेयर समिति छत्तीसगढ़ का लगातार 1,337 वाँ दिन स्वच्छता

बालोद । हरा भरा, स्वच्छ धरा के उद्देश्य को लेकर स्वच्छ धरा वेलफेयर समिति छत्तीसगढ़ की टीम के संस्थापक एवं प्रदेश अध्यक्ष नवनीत कुमार हरदेले के मार्गदर्शन पर लगातार 1,337 वें दिन स्वच्छता, नशामुक्ति, पौधारोपण, गाजर घास उन्मूलन, जल संरक्षण, पर्यावरण संरक्षण जागरूकता अभियान के अवसर पर छत्तीसगढ़ के विभिन्न स्थानों पर क्रमशः महादेव घाट रायपुर, ग्राम अंजोरा दुर्ग, दशहरा मैदान रिसाली दुर्ग ग्रामीण, शिव पार्वती धाम बालोद, दुर्गा मंदिर सुरगांव, शिव दुर्गा मंदिर सेक्टर 10 भिलाई, कपिश्वर मंदिर भिलाई नगर, प्राचीन शिव मंदिर शिवनाथ



नदी घाट दुर्ग, में स्वच्छ धरा वेलफेयर समिति छत्तीसगढ़ टीम ने जागरूकता अभियान के अंतर्गत स्वयं साफ सफाई कर कचरे को उठाकर एवं गाजर घास उन्मूलन कर निर्धारित स्थान पर डंप करते हुए आसपास के लोगों

को स्वच्छता, पौधारोपण, नशामुक्ति, गाजर घास उन्मूलन के लिए प्रेरित किया। ताकि हमारा हर कालोनी, गाँव, कस्बा, महानगर, देश इन सभी स्थानों में निवासरत हर प्राणी स्वच्छ रहें, स्वस्थ रहें। महादेव घाट

रायपुर में भारी मात्रा में झिझी, डिस्पोजल, प्लास्टिक चंमच, दोना, पत्तल को इकट्ठा कर डस्टबिन में डाला गया। इसी प्रकार ग्राम अंजोरा दुर्ग में गाजर घास उन्मूलन कर कालोनी के रास्ते को सुगम बनाया। शिवनाथ

नदी प्राचीन मंदिर में साफ सफाई के साथ साथ पुर्व में लगाए गए पौधे की देखभाल की। रिसाली दशहरा मैदान में योग लंगर स्थल पर रात नशेड़ी लोग आकर नशा करके कचरा वहीं बिखराकर चले जाते हैं उसकी साफ-सफाई की गई। शिव हनुमान मंदिर परिसर सेक्टर सात भिलाई में स्वच्छता जागरूकता अभियान चलाकर कचरे को निर्धारित स्थान पर डाला गया। नवनीत कुमार हरदेले ने इस समाचार के माध्यम से शिवनाथ नदी घाट पर कचरे को निकाल कर बाहर रखा गया है उसे जल्दी उठाकर ले जाएं। इस प्रकार ग्राम अंजोरा दुर्ग में गाजर घास उन्मूलन कर कालोनी के रास्ते को सुगम बनाया। शिवनाथ

अच्छे मैनर्स ही दुनिया की सीक्रेट चाबियां हैं

हममें से ज्यादातर को याद होगा कि हम परिवार के साथ डिनर टेबल पर बैठ कर आंखें बंद किए उन प्रार्थनाओं को दोहराते थे, जिन्हें पिताजी बोलते थे। जब हम पूछते कि इन प्रार्थनाओं का मतलब क्या है तो वे समझाते कि यह ईश्वर के प्रति धन्यवाद जताने का तरीका है, जिसने परिवार को इकट्ठा होकर शांति से भोजन करने में मदद की। बचपन में हमने आभार जताना सीखा। आज भी हम अपने

बच्चों को थैंक यू कहने की अहमियत सिखाते हैं। लेकिन समय के साथ क्या रोजमर्रा की जिंदगी में ये सहज शब्द गायब होने लगे हैं?

मेरा मानना है कि ऐसा हुआ है। आज की ‘मी फर्स्ट’ सोसायटी में ‘थैंक यू’ जैसे दो सरल शब्द मानो चलन से बाहर हो रहे हैं। हम दूसरों से हमारी मदद, सेवा और अकांमोडेट करने की उम्मीद तो करते हैं, लेकिन उनकी कोशिशों को एक्नाॅलेज करना भूल जाते हैं। कॉर्पोरेट और लेखिका एमी पोह्लर अपनी किताब ‘यस प्लीज’ में एक बेहतरीन रिमाइंडर पेश करती हैं। वे लिखती हैं कि ‘अच्छे मैनर्स ही दुनिया की सीक्रेट चाबियां हैं।’ वे समझाती हैं कि क्यों वे चाहती हैं कि उनके

बच्चे पोलाइट बनें। अच्छे मैनर्स का मतलब महज सामाजिक नियमों का पालन करना नहीं है। इससे हमें अच्छे रिश्ते बनाने और सबकी जिंदगी अधिक बेहतर बनाने में मदद मिलती है। एग्जीक्यूटिव कोच और लेखक पीटर ब्रेगमैन ने ‘हार्वर्ड बिजनेस रिव्यू’ में आभार जताने के महत्व को एक्सप्लोर किया है। वे कहते हैं कि थैंक यू कहना किसी के प्रयास, थॉटफुलनेस और कार्य को ही नहीं, बल्कि उस प्रयास के पीछे मौजूद व्यक्ति को भी स्वीकार करना है। ऐसी रिकॉग्निशन देना किसी को महसूस करा सकता है कि उसका योगदान मायने रखता है। अपने काम से कई पीढ़ियों को प्रभावित करने वाली शिष्टाचार विशेषज्ञ एमिली पोस्ट ने दूसरों का ख्याल रखने और खुद का सम्मान करने पर जोर दिया था। मैनर्स का मतलब यही नहीं कि डिनर टेबल पर हम किस कांटे का इस्तेमाल करते हैं या

औपचारिक डाइनिंग रूल्स का कितना बेहतर पालन करते हैं। उनका मतलब है कि हम लोगों को कैसे ट्रीट करते हैं। रोजमर्रा की कुछ स्थितियों पर गौर कीजिए, जहां विनम्रता फर्क ला सकती है। गेट खोलने वाले सिक्कयोरिटी गार्ड, आसपास की जगह साफ रखने वाले हाउसकीपिंग कर्मचारी, समय पर काम निपटाने में मदद करने वाले सहकर्मी या आपके लिए दरवाजा खुला रखने वाले किसी अनजान व्यक्ति को थैंक यू कहिए। कोई चीज मांग रहे हैं तो ‘प्लीज’ कहिए। गलती करें तो माफी मांगिए। बीच में काटे बिना किसी की बात सुनिए। इन छोटी-छोटी बातों में कुछ खर्च नहीं होता, लेकिन ये किसी का दिन बना सकती हैं। या फिर, क्या बदले में थोड़ी-सी एक्नाॅलेजमेंट की उम्मीद करना हमारी छोटी सोच है? हम बड़े शहरों में रहते हैं और छोटे शहर भी तेजी से बढ़ रहे

हैं। लोग एक से दूसरी जगह भाग रहे हैं। उनकी नजरें फोन पर या कारनों में ईयरबड्स होते हैं। हो सकता है कि वे सचमुच व्यस्त हों। फिर भी मेरा सवाल है कि किसी के दयालुता भरे छोटे-से कार्य को स्वीकार करने में आखिर मुश्किल क्या है? कल्पना कीजिए कि आप किसी अनजान व्यक्ति के लिए दरवाजा खुला रखते हैं, ताकि वह उसके मुंह पर बंद न हो। लेकिन वह बिना थैंक यू कहे, बिना मुस्कुराए और यहां तक कि बिना सिर हिलाए निकल जाए। उस छोटे-से जेस्चर के लिए धन्यवाद कहने में बमुश्किल एक सेकंड लगता है। क्या हम अपनी भागदौड़ में खुद को इतना महत्वपूर्ण समझने लगे हैं कि किसी दूसरे इंसान के लिए एक सेकंड भी नहीं निकाल सकते? इन जेस्चर्स में कुछ खर्च नहीं होता, लेकिन इनकी गैरमौजूदगी लोगों को महसूस करा सकती है कि उस इंसान का कोई महत्व नहीं है।

मैनर्स की असली परीक्षा यह नहीं कि हम किसी प्रभावशाली व्यक्ति को कितनी विनम्रता से ट्रीट करते हैं, बल्कि यह है कि हम उस व्यक्ति से कैसा व्यवहार करते हैं, जिससे बदले में कुछ मिलने की उम्मीद नहीं है। हो सकता है कि दरवाजा खुला रखने वाला व्यक्ति किसी तारीफ की उम्मीद न कर रहा हो। लेकिन आपका छोटा-सा एक्नाॅलेजमेंट उन्हें बता देता है कि उनकी विचारशीलता नोटिस कर ली गई है। गुड मैनर्स का मतलब आभार की उम्मीद करना नहीं, बल्कि यह है कि हम दयालुता को हल्के में न लें। फंडा यह है कि एक-दूसरे के प्रति आभार जताना उन इंसानों के तौर पर हमारी बुनियादी जिम्मेदारी है, जो दूसरे इंसानों के साथ एक समुदाय में रहते हैं। दरअसल, मैं अपने सभी पाठकों से कहना चाहता हूं कि ‘मेरा लेख पढ़ने के लिए आपका थैंक यू।’ (ये लेखक के अपने विचार हैं)

सड़के विकास की जीवनरेखा, लेकिन सुरक्षित सफर की जिम्मेदारी किसकी?



करन सिंह होरा
संपादक
साकार भारत

सड़कें किसी भी देश और प्रदेश के विकास की पहचान होती हैं। गांवों को शहरों से जोड़ने, व्यापार को गति देने, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच आसान बनाने तथा आर्थिक गतिविधियों को मजबूत करने में सड़कों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। लेकिन जब यही सड़कें गड्ढों, टूटे किनारों, जलभराव और अधूरे निर्माण के कारण दुर्घटनाओं का कारण बनने लगे, तब विकास के दावों पर सवाल उठना स्वाभाविक है। सड़क केवल आवागमन का साधन नहीं, बल्कि आम नागरिक के जीवन, समय और सुरक्षा से जुड़ा विषय है। आज शहरों से लेकर ग्रामीण अंचलों तक बेहतर सड़कों की आवश्यकता महसूस की जा रही है। बढ़ती आबादी, वाहनों की संख्या में वृद्धि और तेजी से हो रहे शहरी विस्तार ने सड़क व्यवस्था पर दबाव बढ़ाया है। कई स्थानों पर सड़क निर्माण के कुछ समय बाद ही गड्ढे दिखाई देने लगते हैं। कहीं

नालियों का पानी सड़क पर बहता है, तो कहीं निर्माण कार्य अधूरा छोड़ दिए जाने से लोगों को परेशानी उठानी पड़ती है। बारिश के दिनों में स्थिति और गंभीर हो जाती है। ऐसे में दोपहिया वाहन चालकों, बुजुर्गों, बच्चों और पैदल चलने वालों के लिए सफर जोखिम भरा बन जाता है। सड़क निर्माण पर सरकारी धन खर्च करना पर्याप्त नहीं है। जरूरी यह है कि निर्माण कार्य निर्धारित मानकों के अनुरूप हो और उसकी गुणवत्ता की नियमित जांच की जाए। ठेकेदारों की जवाबदेही तय होनी चाहिए तथा लापरवाही सामने आने पर संबंधित एजेंसियों के विरुद्ध कार्रवाई तक पहुंच आसान बनाने तथा आर्थिक गतिविधियों को मजबूत करने में सड़कों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। लेकिन जब यही सड़कें गड्ढों, टूटे किनारों, जलभराव और अधूरे निर्माण के कारण दुर्घटनाओं का कारण बनने लगे, तब विकास के दावों पर सवाल उठना स्वाभाविक है। जिम्मेदार ठहराना पर्याप्त नहीं है। यातायात नियमों का पालन करना प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है। तेज गति, गलत दिशा में वाहन चलाना, हेलेमेट और सीट बेल्ट की अनदेखी तथा सड़क पर अतिक्रमण दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ाते हैं। सड़क किनारे पर्याप्त रोशनी, स्पष्ट संकेतक, जैब्रा क्रॉसिंग और जरूरत के अनुसार फुटपाथ की व्यवस्था भी अनिवार्य होनी चाहिए। (ये लेखक के अपने विचार हैं)

डेटा सुरक्षा में चूक पर जवाबदेही हो तय



कदम आगे नजर आते हैं। इसलिए डेटा सुरक्षा को लेकर चिंता और बढ़ना स्वाभाविक है। आज साइबर अपराधियों को किसी खाते का पासवर्ड चुराने की जरूरत भी नहीं पड़ती। यदि उनके पास ग्राहक की पर्याप्त

व्यक्तिगत जानकारी हो तो वे ग्राहक को ही जाल में फंसाकर बैंकिंग सिस्टम को भेद देते हैं। आमतौर पर कोई साइबर ठगी होती है तो यह मान लिया जाता है कि उपभोक्ता के स्तर पर ही गोपनीय जानकारी जाने-अनजाने

में देने का काम हुआ होगा। जबकि बैंकिंग सुरक्षा तंत्र में संध लगाने वाले किसी बाहरी व्यक्ति या ठग गिरोह की यह करतूत होती है। सारा बोझ उपभोक्ता पर डालकर हर बार अपनी सुरक्षा की मजबूती को लेकर सरकारी

संबंधित संस्थान एक नया ताला उपभोक्ता के हाथ में थमा देते हैं। कोई सड़क दुर्घटना होती है तो लापरवाह वाहन चालक पर जिम्मेदारी तय की जाती है। ओटीपी वाले एसएमएस का प्रारूप एक जैसा करने के ताजा प्रयास भी इसी दिशा में आगे के कदम कहे जा सकते हैं। डेटा लीक को अक्सर तकनीकी त्रुटि या साइबर हमले का परिणाम मानना ही काफी नहीं होगा। डेटा लीक की महज स्वीकारोक्ति ही नाकाफी है। संस्था के स्तर पर डेटा सुरक्षा में चूक होने पर सबसे पहले ग्राहक के अधिकार, सुरक्षा और क्षतिपूर्ति को महत्व मिलाना चाहिए। डेटा सुरक्षा की दिशा में संस्थागत और व्यक्तिगत स्तर पर जवाबदेही भी सुनिश्चित करनी होगी। (ये लेखक के अपने विचार हैं)

स्तर पर पिछले सालों में काफी कदम उठाए गए हैं। बैंकों की 1600 सीरीज से किए जाने वाले कॉल पर दोनों तरफ से बातचीत की अनुमति व चोरी होने पर पुलिस से अपेक्षा की जाती है कि वह चोरों का पता लगाए। लेकिन जब लोगों का संवेदनशील डेटा लीक होता है तब शायद ही किसी की जवाबदेही तय होती दिखाई देती है। बहुत कम मौकों पर यह बताया जाता है कि कितने ग्राहकों का कौनसा डेटा प्रभावित हुआ और संभावित नुकसान रोकने के लिए क्या कदम उठाए गए।

आर्थिक और सामाजिक मोर्चे पर अनदेखी से बिगड़े हालात



नगरीकरण के मामले में आगे है। वैश्विक धन और समृद्धि का सबसे बड़ा सूचक होने के बावजूद जिस तरह से यूरोप की जनता महंगाई, जीवनयापन के बढ़ते खर्च, महंगे घर, शिक्षा एवं सार्वजनिक सेवाओं की बदहाली के खिलाफ सड़कों पर उतरी है, उसे देखकर दुनिया के अन्य देशों की सरकारों की बैचेनी बढ़ना स्वाभाविक है। फ्रांस की स्थिति सबसे ज्यादा

खराब है। स्कूलों की बदहाली के विरोध में शुरू हुआ आंदोलन सरकार विरोधी आंदोलन में बदल गया। ‘ब्लॉक एवरीथिंग’ आंदोलन के चलते पेरिस, मार्सिले और ल्यों में जबर्दस्त आगजनी और लूटपाट हुई है। छात्र संगठनों, ट्रेड यूनियनों और आम नागरिकों के नेतृत्व में हो रहे प्रदर्शनों ने सरकारों के सामने कानून-व्यवस्था और आर्थिक संतुलन बनाए रखने की कड़ी

चुनौती खड़ी कर दी है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार फ्रांस सरकार ऐसा कानून लाने की तैयारी कर रही है, जिसके तहत प्रदर्शनों के दौरान सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने वालों पर भारी वित्तीय जुर्माना लगाया जा सकता है। लेकिन सवाल यह है कि लोगों की नाराजगी को वजह बना दिया है? हालांकि भिन्न-भिन्न देशों में विरोध के कारण भिन्न-भिन्न हैं, लेकिन

सबके मूल में आर्थिक और सामाजिक मोर्चे पर सरकारों की कथित विफलताएं छिपी हुई हैं। आंदोलन ने फ्रांस को वैचारिक रूप से विभाजित किया है। फ्रांस में अगले साल राष्ट्रपति चुनाव होने हैं। संसद में राष्ट्रपति मैक्रो का मध्यमार्गी गठबंधन अल्पमत में है। दूसरी ओर विपक्ष भी इन प्रदर्शनों को चुनावी हथियार के रूप में देख रहा है। वामपंथी और दक्षिणपंथी

दल लगातार सरकार पर विफल रहने का आरोप लगा रहे हैं। कुल मिलाकर कहीं तो सरकार का भविष्य फिलहाल सख्त सुरक्षात्मक कार्रवाई, कड़े बजटीय सुधारों और राजनीतिक गतिरोध के बीच संतुलन बनाने पर टिका हुआ है इसमें कोई दो राय नहीं कि फ्रांस में सुलग रही विरोध प्रदर्शनों की यह आग पूरे यूरोप के लिए एक हाई अलर्ट है। फ्रांस ही नहीं कमोबेश यूरोप के अधिकांश हिस्सों से आने वाली तस्वीरों ने वहां की संवेदनशील व उदारवादी सरकारों की अदृशिता व मृदुता दोनों की पुष्टि कर दी है। ऐसे में यदि वहां की सरकारों ने देश की कथित सर्वोत्तम शासन पद्धति की सीमाओं का पुनः आकलन नहीं किया तो शासन का यह तरीका यूरोप के समृद्ध देशों को बड़ा नुकसान पहुंचाएगा। (ये लेखक के अपने विचार हैं)

क्या ‘हार्डशिप कैम्प’ में बच्चे मेहनत का महत्व सीखते हैं?

हममें से अधिकांश ने अपने आसपास ऐसे कई बच्चे देखे होंगे, जिन्होंने कभी खाना बनाने में हाथ नहीं बंटया। कुछ बच्चों को इतने लाड़-प्यार से पाला जाता है कि उन्होंने कभी अपना कमरा तक साफ नहीं किया होता है। इसकी वजह यह है कि बहुत-से माता-पिता यह सुनिश्चित करने के लिए कड़ी मेहनत करते हैं कि उनके बच्चों को उन मुश्किलों का सामना न करना पड़े, जिनसे वे खुद गुजरे हैं। वे अपने बच्चों को अच्छा भोजन, आरामदेह घर, महंगे गैजेट्स, ट्रांसपोर्ट और हरसम्भव सुख-सुविधाएं मुहैया कराते हैं। लेकिन इस सब के चलते ऐसा भी हो सकता है कि बच्चे इन सुविधाओं को किसी की मेहनत का परिणाम मानने के बजाय अपना अधिकार समझने लगे। अब मैं आपको एक ऐसे

शिविर में लिए चलता हूं, जो ऊपर वर्णित दृश्य से बिल्कुल उलट है। यहां आपको दस साल का एक बच्चा पोटेटी-फार्म में खुदाई करके आलू निकालता दिखाई देगा। सात साल का एक बच्चा पिग-फार्म में चारा ले जा रहा होगा। पंद्रह साल का किशोर घोड़े को नहलाकर अस्तबल की सफाई कर रहा होगा। यहां छह से सोलह साल तक के बच्चों को जानवरों का गोबर साफ करते, जलाऊ लकड़ियां काटते और यहां तक कि साधारण भोजन पकाते भी देखा जा सकता है। पूरे महीने इतनी मेहनत करने के बावजूद इन बच्चों को इसके बदले कोई भुगतान नहीं किया जाता। उलटे, उनके माता-पिता उन्हें ऐसे ‘हार्डशिप कैम्प’ में भेजने के लिए डेढ़ लाख रुपये तक चुकाते हैं। ये शिविर मुख्य रूप से दक्षिण-पश्चिमी चीन के

ग्रामीण इलाकों में चलाए जाते हैं। अपने बच्चों को मेहनत और पैसों का महत्व सिखाने की इच्छा रखने वाले चीनी पैरेंट्स में इस तरह के शिविरों के प्रति दिलचस्पी लगातार बढ़ रही है। अब सवाल यह है कि क्या पैरेंट्स अपने बच्चों को मुश्किलों से बचाने में इतने सफल हो गए हैं कि अब उन्हें वे तमाम सबक सिखाने के लिए दूसरों को पैसे देने पड़ रहे हैं, जो कभी साधारण जीवन अपने आप और मुफ्त में सिखा देता था? इसका जवाब है- हा। यही वजह है कि माता-पिता अपने लाड़ले बच्चों को इन तेजी से लोकप्रिय हो रहे समर प्रोग्राम्स में भेज रहे हैं। सिचुआन, गुइझोउ और युन्नान जैसे इलाकों में आयोजित होने वाले इन शिविरों में शहरों के बच्चों को ग्रामीण जीवन का अनुभव कराया जाता है। इस दौरान उन्हें मोबाइल फोन और

इंटरनेट से दूर रखा जाता है। इस सबका मकसद बच्चों के बचपन को मुश्किलों से भर देना नहीं, बल्कि उन्हें जीवन की चुनौतियों का सामना करने में सक्षम बनाना है। कड़ी मेहनत बच्चों को असफलताओं से जूझना भी सिखाती है। जब उन्हें कोई काम पूरा करने के लिए संघर्ष करना पड़ता है, तो वे धैर्य सीखते हैं। गलतियां करने पर वे उन्हें सुधारना सीखते हैं। वे अपनी मेहनत से हासिल की गई चीजों का कद्र भी ज्यादा कर पाते हैं। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि वे समझने लगते हैं कि असुविधाओं से सामना होने का मतलब हमेशा हार मान लेना नहीं होता। कभी-कभी वे आगे बढ़ने का अवसर भी होती हैं। इन शिविरों के संचालकों की आदतें सचमुच बदलती हैं? इस सवाल पर विशेषज्ञों और अभिभावकों की राय बंटी हुई

है। शिक्षा विशेषज्ञों का कहना है कि थोड़े समय के लिए कराए गए कठिन शारीरिक श्रम को बच्चों की जीवनशैली और आदतों में सुधार से सीधे तौर पर नहीं जोड़ा जाना चाहिए। किसी बच्चे को कठिन परिस्थितियों में रखने पर यदि वह कुछ समय के लिए आत्मचिंतन करता हुआ दिखाई भी दे, तो यह तनाव के प्रति उसकी तात्कालिक प्रतिक्रिया हो सकती है। केवल ‘मुश्किलें सहने’ का अनुभव अपने आप में चरित्र निर्माण की गारंटी नहीं है। फिर भी, कुछ अभिभावकों का कहना है कि शहरों में पले-बढ़े बच्चों को ऐसे शिविरों में श्रम का प्रत्यक्ष अनुभव कराना न केवल शैक्षिक दृष्टि से उपयोगी साबित हुआ है, बल्कि शिविर से लौटने के बाद उनके व्यवहार में भी सकारात्मक बदलाव दिखाई दिए हैं। (ये लेखक के अपने विचार हैं)

है। शिक्षा विशेषज्ञों का कहना है कि थोड़े समय के लिए कराए गए कठिन शारीरिक श्रम को बच्चों की जीवनशैली और आदतों में सुधार से सीधे तौर पर नहीं जोड़ा जाना चाहिए। किसी बच्चे को कठिन परिस्थितियों में रखने पर यदि वह कुछ समय के लिए आत्मचिंतन करता हुआ दिखाई भी दे, तो यह तनाव के प्रति उसकी तात्कालिक प्रतिक्रिया हो सकती है। केवल ‘मुश्किलें सहने’ का अनुभव अपने आप में चरित्र निर्माण की गारंटी नहीं है। फिर भी, कुछ अभिभावकों का कहना है कि शहरों में पले-बढ़े बच्चों को ऐसे शिविरों में श्रम का प्रत्यक्ष अनुभव कराना न केवल शैक्षिक दृष्टि से उपयोगी साबित हुआ है, बल्कि शिविर से लौटने के बाद उनके व्यवहार में भी सकारात्मक बदलाव दिखाई दिए हैं। (ये लेखक के अपने विचार हैं)

भगवान राम तो साक्षात ईश्वर हैं, पर ईश्वर के बाद भी आवश्यकता है प्रेम की। और श्रीभरतजी वही मूर्तिमान प्रेम हैं। इसका अभिप्राय है कि अंतर्यामी ईश्वर के होते हुए भी व्यक्ति के जीवन में जब तक ईश्वर के प्रति प्रेम का उदय नहीं होगा, तब तक वह बुराइयों को पूरी तरह से पराजित



करने में समर्थ नहीं होगा। किंतु उस प्रेम को प्रकट करने की क्षमता स्वयं व्यक्ति में नहीं है और तब भगवान श्रीराघवेंद्र ने एक नया मंथन किया। तुलसीदासजी कहते हैं कि यह जो चौदह वर्ष का वियोग है यही मथानी है।



शिष्य विशु ली.पी. नेगी
श्री रामकिंकर आर्यात्मिक विद्यालय रायपुर
मो.नं. 9425227937

छत्तीसगढ़ में 2 दिन में 364 वाहनों पर कार्रवाई : 5 वाहन जब्त, 19 वाहनों के परमिट होंगे निरस्त, 4.81 लाख रुपए जुर्माना वसूला



छत्तीसगढ़ में 28-29 अक्टूबर को भारी बारिश का अलर्ट

रायपुर। बंगाल की खाड़ी में बन रहे चक्रवाती तूफान का असर छत्तीसगढ़ में भी दिख सकता है। मौसम विभाग के मुताबिक, 28 और 29 अक्टूबर को प्रदेश के कुछ इलाकों में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। बस्तर संभाग के कुछ इलाकों में 60 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चल सकती हैं। इसे देखते हुए इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय ने किसानों के लिए मौसम आधारित सलाह जारी की है। किसानों को अगले 2 से 4 दिन धान और अन्य फसलों की कटाई रोकने, कटी फसल को सुरक्षित रखने और खेतों में पानी निकासी की व्यवस्था करने की सलाह दी गई है। मौसम विभाग के अनुसार, कल यानी 27 अक्टूबर से बारिश का दौर शुरू हो सकता है। फिलहाल आज (सोमवार) प्रदेश में मौसम शुष्क रहने की संभावना है। प्रदेश में रविवार को सबसे अधिक अधिकतम तापमान 32.6 डिग्री सेल्सियस रायपुर में दर्ज किया गया, जबकि सबसे कम न्यूनतम तापमान 12.5 डिग्री सेल्सियस अंबिकापुर में रहा।

दिवाली की खरीदारी के लिए तिल्दा - नेवरा के बाजारों में जुटने लगी भीड़

तिल्दा-नेवरा। दीपावली का त्योहार नजदीक आते ही तिल्दा-नेवरा के बाजारों में रौनक बढ़ने लगी है। ग्रामीण अंचलों से लोग खरीदारी के लिए नगर पहुंच रहे हैं। कपड़े, सोने-चांदी के आभूषण और रंगाई-पुताई से जुड़ी दुकानों में ग्राहकों की आवाजाही बढ़ गई है। लोग घरों की साफ-सफाई, रंगाई-पुताई और सजावट के साथ परिवार के लिए नए कपड़े व अन्य जरूरी सामान खरीदने में जुट गए हैं। त्योहार की तैयारियों के चलते

रायपुर। रायपुर में खाद्य विभाग ने शनिवार को 750 किलो पनीर नष्ट कराया। यह पनीर मिल्की मलाई और मलाई मैजिक ब्रांड का था। जांच में दोनों ब्रांड का पनीर खाने योग्य नहीं पाया गया था। इसके बावजूद 44 दिन तक इसे नष्ट नहीं किया गया। ओडिशा सप्लाइ करने के दौरान विभाग ने पनीर की खेप पकड़ी थी। अब विभाग ने उरला स्थित फैक्ट्री में पनीर नष्ट कराया है। दोनों ब्रांड के मालिकों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की तैयारी भी की जा रही है। वहीं, एक दिन पहले भिलाई में छापेमारी के दौरान एक्सपायरी दूध से पनीर बनाने और गंदगी में मिटाइयां तैयार करने का मामला सामने आया था। टीम ने यहां करीब 2,500 किलो मिठाई और 1,000 लीटर दूध नष्ट कराया था। साह ही तीन प्रतिष्ठानों में काम बंद करा दिया गया। इसके अलावा, वैशाली नगर की एक दुकान में बिस्किट के पैकेट पर 9 दिन आगे की तारीख डालकर पैकिंग करने का मामला मिला। दुकान संचालक के

जांच में खाने लायक नहीं, फिर भी 44 दिन रखा रायपुर में 750KG पनीर नष्ट, ओडिशा सप्लाइ करते पकड़ाई थी खेप, कानूनी कार्रवाई की तैयारी



खिलाफ केस दर्ज करने की कार्रवाई शुरू कर दी गई है। जानकारी के मुताबिक, 8 सितंबर को खाद्य विभाग ने रायपुर के जोरा के पास ओडिशा ले जाए जा रहे एक मालवाहक वाहन से पनीर की खेप जब्त की थी। इसके बाद पनीर के सैंपल जांच के लिए रायपुर की लैब भेजे गए। 12 सितंबर को आई जांच रिपोर्ट में दोनों ब्रांड के पनीर खाने योग्य नहीं पाए गए। इसके बाद खाद्य विभाग ने पनीर बनाने वाली कंपनी का लाइसेंस निलंबित कर दिया था।

स्मृति ईरानी की बैठक में मंत्रियों के कामकाज पर सवाल:सांसदों और निगम-मंडल के प्रतिनिधियों ने की शिकायत, सत्ता-संगठन को मिलकर काम करने के निर्देश

रायपुर। रायपुर में स्मृति ईरानी ने निगम-मंडल, बोर्ड और आयोगों के अध्यक्षों व उपाध्यक्षों के साथ बैठक की। इसके बाद पूर्व सांसदों और विधायकों की बैठक भी ली। बैठक में छत्तीसगढ़ में संगठन को मजबूत करने और सरकार की योजनाओं को घर-घर तक पहुंचाने पर चर्चा हुई। उन्होंने सत्ता और संगठन को एकजुट होकर काम करने के निर्देश दिए। संगठनात्मक कामकाज को आगे बढ़ाने के लिए जिला अध्यक्षों से बातचीत करने



आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी : घरों से बस्तियों तक लगेंगे सवा करोड़ मुनगे के पौधे, फोटो से बताएंगे कितने बड़े

रायपुर। राज्य में घरों से लेकर स्कूलों, अस्पतालों और सार्वजनिक स्थानों तक सवा करोड़ मुनगे के पौधे लगाए जाएंगे। गली-मोहल्लों और बस्तियों के भीतर और सड़क किनारे की खाली सरकारी जमीन भी पौधरोपण के लिए चुनी जाएगी। वन विभाग 60 लाख और उद्यानिकी विभाग 65 लाख मुनगे के पौधे उपलब्ध कराएगा। प्रदेश में पहले से मौजूद 16 लाख से अधिक पौधे हैं। इनमें ज्यादातर घरों या बस्तियों की खाली जमीन पर ही लगे हैं। अब नए पौधों के लिए जगह तलाशने उसे लगाने के बाद देखभाल

करने की जिम्मेदारी आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं की होगी। पौधे कितने बड़े ये अफसरों को बताना होगा। इसके लिए हर हफ्ते फोटो एप पर अपलोड करनी होगी। हालांकि शहरी इलाकों में खाली और सुरक्षित जगह की तलाश करना बड़ी चुनौती है। हर घर मुनगा, घर-घर मुनगा अभियान की शुरुआत भले ही फरवरी 2027 से की जाएगी लेकिन जगह तलाशने के निर्देश अभी से जारी कर दिए गए हैं। पड़ताल में पता चला है कि राज्य में लगभग सवा लाख आंगनवाड़ी कार्यकर्ता हैं।

सबसे आंगनवाड़ी में आने वाले बच्चों और गर्भवती महिलाओं के घर में आंगनवाड़ी कार्यकर्ता पहुंचेंगी और वहां पौधे लगाने की जगह देखी जाएगी। जिनके घरों में संभव होगा उनके आंगन में और जिनके घरों के आस-पास जगह होगी वहां पौधा रोपा जाएगा। इसके अलावा बस्तियों, कालोनियों व मोहल्लों की खाली जमीन पर पर पौधारोपण किया जाएगा। लगाए गए पौधों की स्थिति पता करने के लिए मुनगा एप बनाकर उसे सभी आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के मोबाइल पर अपलोड किया गया है। अफसरों

के अनुसार पौधा लगाने के निर्देश देने भर से काम नहीं चलेगा। इसलिए फोटो के माध्यम से निगरानी का सिस्टम बनाया गया है, ताकि अभियान की गंभीरता को लेकर सभी सतर्क रहें और सुरक्षा पर ध्यान दें। जिस तरह आंगनवाड़ी में बच्चों के भोजन, उपस्थिति, पढ़ाई और खेलकूद से जुड़ी गतिविधियों की जानकारी एप पर दर्ज की जाती है, उसी तरह मुनगे के पौधों की रिपोर्ट भी अपलोड करनी होगी। इससे पौधों की स्थिति की नियमित निगरानी की जा सकेगी।

रोज पानी देने के लिए स्थानीय लोगों की मदद: सार्वजनिक स्थानों और बस्तियों में लगाए जाने वाले पौधों की देखभाल के लिए स्थानीय लोगों को भी जोड़ा जाएगा। संबंधित इलाके से किसी व्यक्ति को अधिकृत किया जाएगा, जो रोज पानी देने और पौधों की सुरक्षा में सहयोग करेगा। ऐसे व्यक्ति का चयन आंगनवाड़ी कार्यकर्ता करेंगी। इस व्यवस्था में स्थानीय व्यक्ति रोजमर्रा की देखभाल में मदद करेगा, जबकि कार्यकर्ता पौधों की निगरानी और उनकी जिम्मेदारी निभाएंगी।

सिटी सेंटर मॉल के पास होम-डेकोरेशन दुकान में लगी आग: चौथे माले पर रखा फर्नीचर जला



रायपुर। रायपुर के पंडरी में सिटी सेंटर मॉल के पास स्थित होम डेकोरेशन की दुकान में आग लग गई। आग दुकान की चौथी मंजिल पर लगी, जहां रखा फर्नीचर जलकर राख हो गया। घटना में लाखों रुपए के नुकसान की आशंका है। घटना देवेंद्र नगर थाना क्षेत्र की है। जानकारी के मुताबिक, दुकान में आग लगने की वजह ,ष्ट का कंप्रेसर फटना बताई जा रही है। हालांकि, आग लगने के वास्तविक कारण की सका है।

अब रेलवे आरक्षण काउंटर से भी ले सकेंगे यात्रा बीमा : 27 अक्टूबर से मिलेगी सुविधा, हदसे में मौत पर 10 लाख रुपए तक का कवर



रायपुर। रेलवे में आरक्षित टिकट बुक कराने वाले यात्रियों को 27 अक्टूबर 2026 से आरक्षण काउंटर्स पर भी वैकल्पिक यात्रा बीमा लेने की सुविधा मिलेगी। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के सभी यात्री आरक्षण प्रणाली काउंटर्स पर यह सुविधा शुरू की जा रही है। अब तक यह विकल्प ऑनलाइन ई-टिकट बुक करते समय मिलता था। यात्री अपनी इच्छा से बीमा ले सकेंगे, यह अनिवार्य नहीं होगा। आरक्षण काउंटर पर कर्मचारी यात्रियों को बीमा की जानकारी देंगे और उनकी सहमति दर्ज करेंगे। बीमा लेने के लिए यात्री को मोबाइल नंबर देना होगा और तब प्रीमियम का भुगतान डिजिटल माध्यम से करना होगा। बीमा पॉलिसी की जानकारी पंजीकृत मोबाइल नंबर पर भेजी जाएगी। टिकट बुक कराते समय यात्री बीमा का विकल्प चुनने से पहले इसकी शर्तें और प्रीमियम जरूर जांच लें।

किराए पर उपलब्ध है

तेलीबांधा शीतल कॉम्प्लेक्स में दुकान/ऑफिस के लिए जगह किराए पर उपलब्ध है। संपर्क-9302222222

Vastu Guruji

BEST PLACE FOR VASTU REMEDY

BUY NOW >

CALL 9770888888



वास्तु गुरुजी सिकंदर राणा जी

के अनुसार आज का राशिफल

नो.नं. : 9770888888



मे़ष। आज का दिन आपके लिए मेहनत, धैर्य और समझदारी से आगे बढ़ने का है। कार्यक्षेत्र में काम की अधिकता रह सकती है, लेकिन अपनी कार्यक्षमता और लगन से आप जिम्मेदारियों को अच्छी तरह निभा पाएंगे। किसी महत्वपूर्ण विषय पर निर्णय लेते समय जल्दबाजी न करें। गुस्से पर नियंत्रण रखना जरूरी होगा, क्योंकि छोटी-सी बात विवाद का रूप ले सकती है।



वृषभ। आज आपके लिए आर्थिक स्थिरता और मानसिक शांति बनाए रखने का दिन है। कार्यक्षेत्र में परिस्थितियां सामान्य रहेंगी और आप अपने लंबित कार्यों को व्यवस्थित ढंग से पूरा करने में सफल हो सकते हैं। धन से जुड़े मामलों में सावधानी बरतें तथा बिना जरूरत खरीदारी करने से बचें। परिवार के सदस्यों के साथ समय बिताने से मन प्रसन्न रहेगा।



मिथुन। आज आपका मन नए विचारों और योजनाओं से भरा रह सकता है। रचनात्मक कार्यों में रुचि बढ़ेगी और अपनी बात प्रभावशाली ढंग से रखने का अवसर मिलेगा। हालांकि, एक साथ कई काम शुरू करने के बजाय किसी महत्वपूर्ण कार्य को प्राथमिकता देना उचित रहेगा। कार्यक्षेत्र में सहकर्मियों का सहयोग मिल सकता है।



कर्क। आज कार्यक्षेत्र में सकारात्मक परिणाम प्राप्त करने के लिए अपनी ऊर्जा और समय का सही प्रबंधन करना जरूरी होगा। दिन के पहले हिस्से में महत्वपूर्ण कार्यों को प्राथमिकता देना आपके लिए लाभकारी रह सकता है। भावनाओं में बहकर कोई बड़ा फैसला लेने से बचें और परिस्थितियों का व्यावहारिक आकलन करें। नौकरीपेशा लोगों को अपनी जिम्मेदारियां समय पर पूरी करने का प्रयास करना चाहिए।



सिंह। आज का दिन अपने वास्तविक लक्ष्यों पर ध्यान केंद्रित करने का है। दूसरों के सामने अपनी क्षमता साबित करने की जल्दबाजी न करें, बल्कि अपने काम से अपनी पहचान बनाने का प्रयास करें। रचनात्मक गतिविधियों में रुचि बढ़ सकती है और किसी नई योजना पर काम शुरू करने का विचार मन में आ सकता है। कार्यक्षेत्र में अपनी जिम्मेदारियों को गंभीरता से निभाएं। वरिष्ठ अधिकारियों और सहकर्मियों के साथ संवाद करते समय विनम्रता बनाए रखें।



कन्या। आज का दिन व्यवस्थित तरीके से काम करने और छोटी-छोटी बातों पर ध्यान देने का है। जिन कार्यों को आप लंबे समय से टालते आ रहे हैं, उन्हें पूरा करने की दिशा में प्रयास करें। कार्यक्षेत्र में आपकी बारीकी से काम करने की क्षमता उपयोगी साबित हो सकती है। किसी दस्तावेज या महत्वपूर्ण जानकारी की जांच करते समय जल्दबाजी न करें। विद्यार्थियों को पढ़ाई की योजना बनाकर आगे बढ़ना चाहिए।



तुला। आज आपको दूसरों की अपेक्षाओं और अपनी प्राथमिकताओं के बीच संतुलन बनाने की आवश्यकता होगी। हर किसी को खुश करने के प्रयास में अपने महत्वपूर्ण लक्ष्यों की अनदेखी न करें। किसी जरूरी मामले में स्वतंत्र निर्णय लेना पड़ सकता है, इसलिए सभी पहलुओं पर विचार करके आगे बढ़ें। कार्यक्षेत्र में सहयोग और बातचीत के माध्यम से समस्याओं का समाधान खोज सकते हैं।



वृश्चिक। आज आपके लिए धैर्य, संयम और निरंतर प्रयास महत्वपूर्ण रहेंगे। किसी कार्य में अपेक्षित परिणाम तुरंत न मिलने पर निराश होने के बजाय अपनी रणनीति पर दोबारा विचार करें। कार्यक्षेत्र में जिम्मेदारियां बढ़ सकती हैं, लेकिन व्यवस्थित ढंग से काम करने पर आप उन्हें संभाल पाएंगे। सहकर्मियों के साथ व्यवहार में पारदर्शिता बनाए रखें। आर्थिक मामलों में सोच-समझकर निर्णय लें और जोखिम भरे निवेश से बचें।



धनु। आज रचनात्मकता, शिक्षा और नई जानकारी प्राप्त करने के लिए दिन उपयोगी रह सकता है। किसी विषय को गहराई से समझने या नई योजना बनाने में आपकी रुचि बढ़ेगी। विद्यार्थियों को पढ़ाई में एकाग्रता बनाए रखने से लाभ मिल सकता है। कार्यक्षेत्र में नए विचार प्रस्तुत करने का अवसर मिल सकता है, लेकिन किसी योजना को लेकर बड़े वादे करने से पहले सभी तथ्यों की जांच अवश्य करें। अनुबंध, दस्तावेज और महत्वपूर्ण बातचीत के बिंदुओं को ध्यानपूर्वक समझना जरूरी होगा।



मकर। आज का दिन स्वतंत्र अध्ययन, शोध और किसी विशेष विषय पर गहराई से विचार करने के लिए अनुकूल रह सकता है। आप अपने ज्ञान और अनुभव को बढ़ाने के लिए नई जानकारी जुटा सकते हैं। कार्यक्षेत्र में एकाग्रता बनाए रखने से महत्वपूर्ण काम पूरे करने में मदद मिलेगी। किसी विषय पर निर्णय लेने से पहले तथ्यों और परिस्थितियों का आकलन करें। आर्थिक मामलों में विशेष सावधानी बरतें। भावुक होकर किसी को धन उधार देने से पहले अपनी आर्थिक स्थिति पर विचार करना उचित रहेगा।



कुंभ। आज आर्थिक मामलों में सावधानी और कार्यक्षेत्र में अनुशासन बनाए रखना आपके लिए महत्वपूर्ण होगा। पैसों के लेन-देन से पहले सभी शर्तों को स्पष्ट रूप से समझ लें। नौकरीपेशा लोगों को अपने कार्य समय पर पूरे करने का अवसर मिल सकता है। सहकर्मियों के साथ तालमेल बनाए रखने से काम आसान होगा। व्यवसाय से जुड़े लोगों को आय और खर्च के बीच संतुलन पर ध्यान देना चाहिए। नई योजनाओं पर विचार कर सकते हैं, लेकिन निर्णय लेने से पहले उनकी व्यावहारिकता जांचें।



मीन। आज आपकी कल्पनाशीलता, संवेदनशीलता और रचनात्मक सोच आपको नए अवसरों की पहचान करने में मदद कर सकती है। कार्यक्षेत्र में किसी नए विचार पर काम करने का अवसर मिल सकता है। हालांकि, केवल कल्पनाओं के आधार पर निर्णय लेने के बजाय व्यावहारिक पहलुओं पर भी ध्यान दें। परिवार के सदस्यों के साथ बातचीत करने से मन हल्का हो सकता है और आपसी समझ बढ़ सकती है। आर्थिक मामलों में अनावश्यक खर्चों से बचें तथा अपनी जरूरतों और प्राथमिकताओं के अनुसार बजट तैयार करें। विद्यार्थियों को पढ़ाई में नियमितता बनाए रखनी चाहिए।

{ ओडिशा/झारखण्ड }

प्रदेश भाजपा कार्यसमिति की बैठक के अंतिम दिन ऐलान:

भ्रष्टाचार और जनहित के मुद्दों को लेकर पूरे राज्य में आंदोलन छेड़ेगी भाजपा



रांची। झारखंड में भ्रष्टाचार और जनहित के मुद्दे पर भाजपा पूरे राज्य में आंदोलन छेड़ेगी। लोकतंत्र बचाओ, अराजक तत्व हटाओ अभियान के तहत पूरे राज्य में पदयात्रा की जाएगी। प्रदेश भाजपा कार्यसमिति की बैठक के अंतिम दिन यह राजनीतिक प्रस्ताव पास किया गया।

बैठक की जानकारी देते हुए प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू ने कहा-कार्यसमिति ने हेमंत सरकार को हर स्तर पर विफल माना है। यह सरकार मदहोश है। खनन माफिया को संरक्षण दे रही है। अपराधी बेलगाम हैं। ठगों का झुंड सरकार चला रहा है। भ्रष्टाचार इनकी पहचान है।

इनकी नीयत में खोट है। यह सरकार युवाओं और छात्रों के भविष्य पर चोट कर रही है। घुसपैठ के कारण डेमोग्राफी बदल रही है। यह सरकार पिछड़े समाज का आरक्षण छीनना चाहती है। लेकिन जब त ?क ट्रिपल टेस्ट नहीं

होगा, पार्टी पंचायत चुनाव का विरोध करेगी। इससे पहले नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने

राजनीतिक प्रस्ताव-2 पेश किया। पूर्व मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन, मधु कांडा, विधायक सत्येंद्र नाथ

परीक्षा लिखने के दौरान ओएमआर खाली छोड़ी: एमजाम हॉल में सो रहे थे, फिर भी सफल; सीसीटीवी फुटेज ने खोली फर्जीवाड़े की पोल

रांची। जेपीएससी की 14वीं पीटी और अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं में किस कदर मेरिट को ताक पर रखकर सुनियोजित धांधली की गई, इसका चौंकाने वाला खुलासा सीआईडी जांच में हुआ है। परीक्षा केंद्रों पर लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज ने परीक्षा पास कराने वाले पूरे सिंडिकेट का पर्दाफाश कर दिया है। फुटेज के गहन विश्लेषण से साबित हुआ है कि जिन अभ्यर्थियों ने परीक्षा कक्ष में सिर्फ सोने और जम्हाई लेने में वक्त बिताया या ओएमआर शीट को छुआ तक नहीं, वे भी भारी-भरकम अंक पाकर सफल घोषित कर दिए गए। सीआईडी अनुसंधान में कुछ प्रमुख सफल अभ्यर्थियों की गतिविधियों का कच्चा-चिट्ठा सामने आया है।

फुटेज में जम्हाई लेते रहे और ओएमआर में 90 से ज्यादा सही जवाब: 4 केस स्टडी से सम झिंग्रे मामला

1. अरविंद कुमार (14वीं जेपीएससी पीटी सफल):

सो सीसीटीवी फुटेज के अनुसार, अरविंद पूरी परीक्षा के दौरान केवल सोते और जम्हाई लेते रहे। उन्होंने अपनी ओएमआर शीट में एक भी गोला नहीं भरा था। इसके बावजूद उन्हें 292 अंक दे दिए गए। पूछताछ में खुद अरविंद ने स्वीकार किया कि उसने ओएमआर शीट पूरी तरह खाली छोड़ी थी और बाद में पकड़े जाने के डर से कार्वन कांपी जला दी थी।

2. ओम प्रकाश राणा (14वीं जेपीएससी पीटी सफल): केंद्र के सीसीटीवी फुटेज में वे भी परीक्षा अवधि में केवल सोते और जम्हाई लेते दिखाई दिए। इसके उलट जब उनकी दोनों पेपरों की ओएमआर शीट जांची गई, तो उनमें क्रमशः 91 और 92 उत्तर सही पाए गए।

3. वंदना कुमारी (14वीं जेपीएससी पीटी सफल): विश्लेषण में साफ हुआ कि वंदना ने दोनों प्रश्न-पत्रों में केवल 49 और 30 सवाल ही हल किए थे। लेकिन जब मूल ओएमआर शीट सामने आई, तो

उसमें 98 और 92 प्रश्न हल मिले। 4. रक्षक सिंह (एफआरओ परीक्षा सफल): रक्षक सिंह की कार्वन कांपी में केवल 31 उत्तर दर्ज पहले ही 24 अभ्यर्थियों की सूची बरामद हो गई थी, जिस समय ओएमआर शीट एजेंसी टीडीपीएल के कब्जे में थी।

पूरे परिवार को पास कराने के लिए सेटिंग हुई... तीन-तीन परीक्षाओं में पास हुआ अभय तिवारी जांच में यह भी उजागर हुआ कि सेटिंग का दायरा कितना विस्तृत था। अभय तिवारी खुद एसीएफ, एफआरओ और खाद्य सुरक्षा अधिकारी- तीनों परीक्षाओं में सफल घोषित हुआ। इसके अलावा उसने अपने प्रभाव से अपनी पत्नी, भाई और साले को भी 14वीं जेपीएससी पीटी में सफल करवा लिया। वहीं, एजेंट बुद्धेश्वर भगत के जरिए सेटिंग कराने वाले 11

अभ्यर्थी 14वीं पीटी में पास हुए। चौंकाने वाली बात यह है कि बुद्धेश्वर भगत के लैपटॉप से परिणाम जारी होने से पूरे दो महीने पहले ही 24 अभ्यर्थियों की सूची बरामद हो गई थी, जिस समय ओएमआर शीट एजेंसी टीडीपीएल के कब्जे में थी। साक्ष्य मिटाने के लिए बंद किए गए थे स्कैनिंग सेंटर के कैमरे सीआईडी को जांच में सबसे पुछ्ता सबूत यह मिला कि आयोग द्वारा ओएमआर शीट और उत्तर पुस्तिकाओं की स्कैनिंग जिन जगहों पर कराई जा रही थी, वहां जान बूझकर सीसीटीवी कैमरों की निष्क्रिय (नॉन-फंक्शनल) रखा गया था। वहां किसी प्रकार की निगरानी नहीं थी, ताकि मनमाने ढंग से ओएमआर शीट में छेड़छाड़ की जा सके और भविष्य में कोई डिजिटल साक्ष्य न बच्चे। सीआईडी के अनुसार, यह पूरी प्रक्रिया एक सुनियोजित आपराधिक साजिश के तहत अंजाम दी गई थी।

तिवारी और मंजू कुमारी ने इसका अनुमोदन किया। बैठक की अध्यक्षता आदित्य साहू ने की जबकि प्रदेश महामंत्री मनोज सिंह ने इसका संचालन किया।

भाजपा प्रदेश कार्यसमिति के संकल्प

हेमंत सरकार की वादाखिलाफी के खिलाफ लोकतांत्रिक संघर्ष होगा। भ्रष्टाचार, बेरोजगारी, बदहाल कानून-व्यवस्था के खिलाफ जनजागरण अभियान चलेगा। पार्टी कार्यकर्ता गांव-गांव और घर-घर जाकर सरकार की नाकामियां बताएंगे। छात्रों, युवाओं, किसानों, महिलाओं, आदिवासियों और दलितों की आवाज बुलंद करेंगे। पार्टी कार्यकर्ता जनसेवा को अपना ध्येय और राष्ट्रहित को

सर्वोच्च कर्तव्य मानेंगे। समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाएंगे सुशासन, विकास और जनकल्याण।

झारखंड विरोधी निर्णयों का हर स्तर पर होगा लोकतांत्रिक प्रतिकार।

झारखंड का गठन किया है, इसे विकसित करने में निर्णायक भूमिका निभाएंगे।

हेमंत ने आदिवासियों की जमीन लूटी : बाबूलाल

नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा कि सीएम हेमंत सोरेन ने आदिवासियों की सबसे अधिक जमीन लूटी है। भाजपा शासन काल में आदिवासियों की एक इंच जमीन भी नहीं लूटी गई। मरांडी ने आह्वान किया कि इसका जोरदार विरोध होना चाहिए।

इंटरव्यू से पहले ही पर्वी पर लिख दिए थे पद: ख्वांगते के लैपटॉप बैग में मिली थी 15 अभ्यर्थियों की सूची, इनमें 10 बन गए अफसर

रांची। जेपीएससी की भर्ती परीक्षाओं में धांधली की जांच कर रही सीआईडी ने कोर्ट में सनसनीखेज खुलासा किया है। सीआईडी के मुताबिक जेपीएससी के तत्कालीन अध्यक्ष एल. ख्वांगते के लैपटॉप बैग से 15 अभ्यर्थियों की बेहद गोपनीय पर्ची बरामद हुई है। इस पर्ची में सिर्फ अभ्यर्थियों के नाम, रोल नंबर, रजिस्ट्रेशन नंबर और इंटरव्यू की तिथि ही नहीं, बल्कि उनके नाम के आगे हाथ से वे पद भी पहले ही लिख दिए गए थे, जिन पर उन्हें नियु?क्त किया जाना था। इस सूची में शामिल 15 में से 10 अभ्यर्थी 11वीं-13वीं सिविल सेवा परीक्षा पास कर अफसर भी बन गए। इन्में कश्मीरा हेन्ब्रम, रवि कुमार, महिमा सिंह, विवेक कुमार, जयदीप चौधरी, जेनक राज, शालिनी राठी, सजल सहरावत, विककी और सरिता बारला शामिल हैं। जांच एजेंसी के अनुसार इन अभ्यर्थियों का इंटरव्यू विशेष रणनीति के तहत

अलग-अलग तारीखों पर सीधे ख्वांगते के बोर्ड में कराया गया था। सीआईडी ने जांच के दौरान रवि, कश्मीरा, सेजल, शालिनी और विवेक कुमार के पीटी के दौरान परीक्षा केंद्र के सीसीटीवी फुटेज खंगाले तो ये सभी अधिकतर समय संदिग्ध गतिविधियों में लिस दिखे। सीआईडी के मुताबिक इससे स्पष्ट हो गया कि पीटी से इंटरव्यू तक हर स्तर पर सेटिंग का खेल चला।

जांच एजेंसी के अनुसार ख्वांगते के आवासीय कार्यालय के कंप्यूटर ऑपरेटर धर्मेन्द्र कुमार ने बिचौलिया की भूमिका निभाते हुए टीडीपीएल और बिंसिस जैसी एजेंसियों को इम्पैनल कराया। उसने एफआरओ और एसीएफ परीक्षा का पेपर लीक कराने और अभ्यर्थियों के चयन के लिए टीडीपीएल के निदेशकों पर दबाव बनाया। ख्वांगते के आवासीय कार्यालय से एफआरओ मुख्य परीक्षा के आठ अभ्यर्थियों के एडमिट कार्ड भी मिले थे।

मंत्री की मंजूरी, अब कैबिनेट में भेजा जाएगा प्रस्ताव: झारखंड में अब राशन कार्ड के ट्रांसफर की व्यवस्था बदलेगी

रांची। झारखंड में राज्य खाद्य सुरक्षा योजना से राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत राशन कार्ड ट्रांसफर की व्यवस्था बदलेगी। एक योजना से दूसरी योजना में शिफ्ट करने के लिए समिति की बैठक और मैनुअल प्रक्रिया पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा। एनआईसी का सॉफ्टवेयर आधारित सिस्टम लाभकों की पात्रता, ई-केवाईसी व राशन उठाव के आधार पर तय करेगा कि किसे राष्ट्रीय योजना में जगह मिलेगी।

पीएचएच योजना की रिक्तियों की प्राथमिकता तय करने में राशन कार्ड स्वीकृति की तिथि, सभी सदस्यों की ई-केवाईसी और पिछले 12 महीने



के राशन उठाव का रिकॉर्ड देखा जाएगा। 12 महीने में कम से कम 10 महीने राशन उठाने वाले परिवारों को प्राथमिकता मिलेगी, जिनके सभी सदस्यों की ई-केवाईसी पूरी हो। इसे बाद क्रमशः 9, 8, 7 और 6 महीने राशन उठाने वाले परिवारों को

अवसर मिलेगा। राशन कार्ड के मुखिया की ई-केवाईसी अनिवार्य होगी।

राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत अंत्योदय अन्न योजना में रक्तियों को पहले गृहस्थ योजना (पीएचएच) व राज्य खाद्य सुरक्षा योजना में शामिल आदिम जनजाति परिवारों के राशन कार्ड ट्रांसफर कर भरा जाएगा।

हर महीने की 20 तारीख को रिक्तियों का आकलन कर 22 तारीख तक एनआईसी के सॉफ्टवेयर द्वारा खुद ट्रांसफर की प्रक्रिया पूरी कर ली जाएगी। बाकी दिनों में कार्ड में सदस्यों के नाम जोड़ने का काम जारी रहेगा।

जेएसएससी-सरकार के जवाब दाखिल न करने पर जताई नाराजगी

रांची। झारखंड में स्नातक प्रशिक्षित शिक्षक संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा-2016 के तहत हुई नियुक्तियों में गड़बड़ियों की जांच कर रहे वन मैन फैक्ट फाईंडिंग कमीशन ने सभी पक्षों को सुनने के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया है। कमीशन ने अध्यक्ष सेवानिवृत्त जस्टिस गौतम कुमार चौधरी ने हाईकोर्ट के पुराने भवन में मामले की सुनवाई की। सुनवाई के दौरान कमीशन ने झारखंड कर्मचारी चयन आयोग (जेएसएससी) और राज्य सरकार की ओर से कुछ आपत्तियों पर जवाब दाखिल नहीं किए जाने पर नाराजगी भी जताई। जबकि, प्रार्थियों की ओर से कमीशन द्वारा मांगे गए आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत कर दिए गए। दरअसल, कमीशन ने 2 अगस्त 2022 के बाद नियुक्त हुए अभ्यर्थियों से अधिक अंक प्राप्त करने वाले प्रार्थियों को अपने-अपने अंकों का विवरण निर्धारित प्रारूप में देने का निर्देश दिया था। इसमें कोटिवार और विषयवार जानकारी मांगी गई थी, ताकि नियुक्ति प्रक्रिया में अभ्यर्थियों के दावों और चयन की स्थिति की जांच की जा सके। कोटिवार और विषयवार जानकारी मांगी गई थी, ताकि नियुक्ति प्रक्रिया में अभ्यर्थियों के दावों और चयन की स्थिति की जांच की जा सके।

सोडूको प्रश्न									
(उत्तर अगले अंक में प्रकाशित होगा)									
							1		2
							8		9
		4							
		2			1		4		5
		6							
				7					
							2		
7		4		8			3		
5		3					4		
8		1							

चौखट पर हमारी तुम्हारी आने की आहट के इशारे पास आए हैं। मुश्किलों के बाद आये सही वो मंज़र और नज़ारे पास आए हैं।।

ख़यालों से नहीं जाते निकाले चर्चें समायत के, कि गिरते संभलते हम खुद ही खुद में हारे पास आए हैं।।

भारतीय महिला टीम ने जिम्बाब्वे को 121 रन से हराया:दूसरे वनडे में हरमनप्रीत-दीप्ति का शतक, वैष्णवी को 4 विकेट; भारत 2-0 से आगे

भारतीय महिला टीम ने दूसरे वनडे में जिम्बाब्वे को 121 रन से हरा दिया। वडोदरा के कोटांबी स्टेडियम में भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 50 ओवर में 6 विकेट पर 328 रन बनाए।

जवाब में जिम्बाब्वे की टीम 48.5 ओवर में 207 रन पर ऑलआउट हो गई। इस जीत के साथ भारत ने तीन मैचों की सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त बना ली। सीरीज का तीसरा और आखिरी वनडे 28 अक्टूबर को खेला जाएगा।

भारत के लिए हरमनप्रीत कौर ने 121 गेंदों पर 126 रन बनाए। दीप्ति शर्मा ने 86 गेंदों पर नाबाद 106 रन की पारी खेली। गेंदबाजी में 20 साल की बाएं हाथ की स्पिनर वैष्णवी शर्मा ने 39 रन देकर 4 विकेट लिए। दीप्ति ने भी

3 विकेट झटके।

भारत ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी चुनी, लेकिन शुरुआत खराब रही। कप्तान स्मृति मंधाना 2 गेंदों पर बिना रन बनाए आउट हो गईं। शेफाली वर्मा भी 8 रन बनाकर पवेलियन लौट गईं। तीसरे ओवर के खत्म होने से पहले भारत का स्कोर 19 रन पर 2 विकेट था।

ऐसे में प्रतीका रावल और हरमनप्रीत कौर ने तीसरे विकेट के लिए 124 रन जोड़े। प्रतीका ने 67 गेंदों पर 61 रन बनाए। उनके आउट होने के बाद भी हरमनप्रीत ने पारी को आगे बढ़ाया। उन्होंने दीप्ति शर्मा के साथ पांचवें विकेट के लिए 153 रन की साझेदारी की।

हरमनप्रीत ने 15 चौकों की मदद से 126 रन बनाए। यह उनके वनडे करियर का आठवां शतक था। दीप्ति ने 15 चौके लगाते हुए

नाबाद 106 रन बनाए। उन्होंने 37 गेंदों में अर्धशतक पूरा किया और आखिरी ओवर में अपना शतक पूरा किया।

329 रन का पीछा करते हुए जिम्बाब्वे ने सकारात्मक शुरुआत की। 20 ओवर पूरे होने तक टीम का स्कोर 104 रन पर 1 विकेट था। ओपनर मोडेस्टर मुपाचिक्वा ने 70 गेंदों पर 49 रन बनाए। चिपो मुगेरी-तिरिपानो ने 57 गेंदों पर 46 रन जोड़े। दोनों ने शुरुआती दबाव कम किया और भारत को जल्दी विकेट नहीं लेने दिए।

लेकिन दूसरे विकेट के बाद जिम्बाब्वे की पारी की गति धीमी पड़ने लगी। चिपो 107 के स्कोर पर आउट हुईं। मुपाचिक्वा 120 रन पर तीसरे विकेट के रूप में लौटीं। इसके बाद भारत के स्पिनरों ने बल्लेबाजों को खुलकर खेलने का

मौका नहीं दिया।

वैष्णवी शर्मा ने 10 ओवर में 39 रन देकर 4 विकेट लिए, जिसमें एक मेडन ओवर भी शामिल था। वैष्णवी ने बेलव्ड बीजा को एलबीडब्ल्यू आउट किया। इसके बाद उन्होंने कप्तान जोसेफिन नकोमो को भी इसी तरह पवेलियन भेजा।

उनका अगला विकेट मिशेल मावुंगा का था, जिन्हें उन्होंने बोल्ड किया। गेंद पिच पर पड़ने के बाद घूमि और ऑफ स्टंप से टकराई। वैष्णवी ने मैच के बाद इसी विकेट को अपना पसंदीदा बताया। चौथा विकेट मोडेस्टर मुपाचिक्वा का रहा, जो 49 रन बनाकर आउट हुईं।

दीप्ति शर्मा भारतीय महिला वनडे क्रिकेट में छठे या उससे नीचे के क्रम पर बल्लेबाजी करते हुए शतक बनाने वाली पहली खिलाड़ी

बनीं। इससे पहले इस क्रम पर भारत की ओर से सबसे बड़ा स्कोर ऋचा घोष के नाम था, जिन्होंने पिछले साल विशाखापट्टनम में साउथ अफ्रीका के खिलाफ 94 रन बनाए थे। दीप्ति का 83 गेंदों में शतक भारतीय महिला टीम के लिए गेंदों के लिहाज से पांचवां सबसे तेज वनडे शतक भी रहा। इस सूची में स्मृति मंधाना का ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दिल्ली में 2025 में बनाया 50 गेंदों का शतक सबसे ऊपर है। हरमनप्रीत और दीप्ति की 153 रन की साझेदारी भी भारतीय महिला वनडे में पांचवें या उससे नीचे के विकेट के लिए सबसे बड़ी साझेदारी बनी। इससे पहले यह रिकॉर्ड स्नेह राणा और पूजा वस्त्राकर के नाम था, जिन्होंने 2022 वर्ल्ड कप में पाकिस्तान के खिलाफ 122 रन जोड़े थे।



बिजनेस न्यूज

सैंसेक्स में 300 अंक की तेजी, निफ्टी भी चढ़ा; धातु और दवा कंपनियों के शेयरों में खरीदारी

मुंबई।भारतीय शेयर बाजार में सोमवार, 26 अक्टूबर को तेजी देखने को मिली। सेंसेक्स 300 अंकों से अधिक की बढ़त के साथ 73,400 के स्तर पर कारोबार कर रहा था। वहीं निफ्टी में भी तेजी दर्ज की गई और यह 22,700 के स्तर पर पहुंच गया। बाजार में धातु, दवा और मीडिया क्षेत्र की कंपनियों के शेयरों में निवेशकों ने अधिक खरीदारी की। इन क्षेत्रों में बढ़ती मांग के कारण प्रमुख सूचकांकों को समर्थन मिला।

शुरुआती कारोबार के दौरान बाजार में सकारात्मक रुझान देखने को मिला। निवेशकों की खरीदारी से प्रमुख सूचकांकों में मजबूती बनी रही। धातु क्षेत्र के शेयरों में खरीदारी से बाजार को सहारा मिला, जबकि दवा



कंपनियों के शेयरों में भी निवेशकों की दिलचस्पी दिखाई दी। मीडिया क्षेत्र के शेयरों में भी तेजी का रुख रहा। हालांकि, बाजार में कारोबार के दौरान उतार-चढ़ाव की संभावना बनी रहती है। ऐसे में निवेशकों के लिए जरूरी है कि वे केवल बाजार की तेजी देखकर जल्दबाजी में निवेश का निर्णय न लें। शेयरों का चयन करते समय कंपनी की वित्तीय स्थिति, कारोबार की संभावनाओं और जोखिमों का

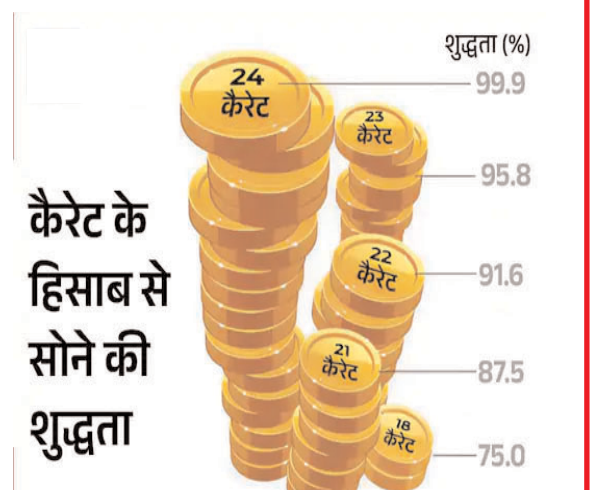
आकलन करना चाहिए। इसी बीच, जियो प्लेटफॉर्मस के आरंभिक सार्वजनिक निगम (आईपीओ) को लेकर निवेशकों की नजरें आवंटन प्रक्रिया पर टिकी हैं। उपलब्ध जानकारी के अनुसार, 26 अक्टूबर को शेयरों का आवंटन किया जाना है। जिन निवेशकों को शेयर आवंटित नहीं होंगे, उन्हें 27 अक्टूबर से राशि वापस किए जाने की प्रक्रिया शुरू होगी।

आज सोने की कीमत में गिरावट, चांदी महंगी हुई: सोना 340 गिरकर 1.41 लाख का हुआ, चांदी का दाम 635 बढ़ा

सोने के दाम में आज यानी 26 अक्टूबर को गिरावट है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के मुताबिक, 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 340 रुपए गिरकर 1.41 लाख रुपए आ गया है।

वहीं चांदी की कीमत आज बढ़ी है। एक किलो चांदी की कीमत 635 रुपए बढ़कर 1.94 लाख रुपए पर पहुंच गई है।

अभी सोने-चांदी की खरीदारी करें या इंतजार करें?



रखें ध्यान

सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदें: हमेशा ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड का हॉलमार्क लगा हुआ सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदें। ये नंबर अल्फान्यूमेरिक यानी कुछ इस तरह से हो सकता है-4524। हॉलमार्किंग से पता चलता है कि सोना कितने कैरेट का है।

कीमत क्रॉस चेक करें: सोने का सही वजन और खरीदने के दिन उसकी कीमत कई सोर्सेंज (जैसे इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन की वेबसाइट) से क्रॉस चेक करें। सोने का भाव 24 कैरेट, 22 कैरेट और 18 कैरेट के हिसाब से अलग-अलग होता है।

कामधेनू

वास्तु शास्त्र में, कामधेनू को शक्ति व ऊर्जा को बढ़ाने के लिए एक प्रतीक या चरु के रूप में उपयोग किया जाता है। यहां वास्तु शास्त्र में कामधेनू का उपयोग कैसे किया जा सकता है, उसके कुछ तरीके हैं:-

1. स्थान : अपने घर या कार्यालय के उत्तर-पूर्व दिशा में कामधेनू की मूर्ति या चित्र रखें। यह मान्यता है कि इससे सकारात्मक ऊर्जा का आमंत्रण होता है और इससे सौभाग्य और अनुकूलता बढ़ती है।
2. पूजा कक्ष : अपने पूजा कक्ष में एक छोटी सी कामधेनू मूर्ति या चित्र रखें। मान्यता है कि इससे धार्मिक गति व पूजा के दौरान आशीर्वाद और सकारात्मक ऊर्जा आती है।
3. धन कोण : यदि आप वास्तु शास्त्र में धन कोण की संकल्पना का पालन करते हैं, तो अपने धन कोण के नजदीक कामधेनू रखने से वित्तीय समृद्धि और सौभाग्य आकर्षित हो सकते हैं।
4. उपहार : कामधेनू घर की गुरुप्रवेश या किसी नए व्यापार की शुरुआत में एक आदर्श उपहार हो सकती है।

ध्यान दें, वास्तु शास्त्र एक कई सिद्धांतों का समन्वय है, और कामधेनू उनमें से केवल एक तत्व है। अपनी विशेष आवश्यकताओं और स्थान के आधार पर वास्तु विशेषज्ञ से परामर्श करना बेहतर होगा।

Vastu Gururji
www.vastugururji.com

RAJ BHAWAN ROAD, CIVIL LINES, RAIPUR (C.G.) 492001

न्यायधानी नाइट्स लगातार तीसरी जीत के साथ सेमीफाइनल के और करीब, बैलाडीला बुल्स को 4-1 से हराया

रायपुर। बैलाडीला बुल्स के खिलाफ 4-1 की शानदार जीत के साथ न्यायधानी नाइट्स ने छत्तीसगढ़ हाकी लीग के सेमीफाइनल में अपनी जगह लगभग पक्की कर ली है। उप मुख्यमंत्री तथा खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री अरुण साव की मौजूदगी में न्यायधानी नाइट्स ने अपने तीनों मैच जीते हैं और वे पॉइंट्स टेबल में सबसे ऊपर पहुंच गए हैं। दूसरी ओर, बैलाडीला बुल्स अभी भी पॉइंट्स टेबल में सबसे नीचे की ओर है। टीम ने अब तक एक भी मैच नहीं जीता है।

आज का मैच लीग की सबसे मजबूत डिफेंस (रक्षा पंक्ति) वाली दो टीमों के बीच मुकाबला

था। लीग के बांकी मुकाबलों से इसमें अलग मैच देखने को मिला। फैंस आमतौर पर हाई-स्कोरिंग मैच देखने के आदी हैं, लेकिन इस मुकाबले में दोनों टीमों का डिफेंस बहुत मजबूत दिखा। कम से कम पहले क्वार्टर में तो यही देखने को मिला, जिसमें कोई गोल नहीं हुआ।

सवाल बस यह था कि कौन सी टीम पहले गलती करेगी। और आखिरकार बैलाडीला ने गलती की। दूसरे क्वार्टर में उन्हें एक पेनल्टी कॉर्नर देना पड़ा, जिस पर चिराग ने आज की पहली ही ड्रैग-फ्लिक से गोल कर दिया। हाफ-टाइम के करीब, उन्होंने लगभग उसी तरह एक और गोल किया। बैलाडीला बुल्स ने वापसी की

कोशिश की। जसकरण ने गेंद को डिफ्लेक्ट करके गोल में पहुंचा दिया, जिससे हाफ-टाइम तक स्कोर 2-1 हो गया और वे मैच में बने रहे।

2020 टोक्यो ओलंपिक के ब्रॉन्ज मेडलिस्ट सुरेंद्र ने युवाओं को दिखा दिया कि पेनल्टी कॉर्नर बचाने के मामले में वे आज भी सबसे बेहतरीन खिलाड़ियों में से एक हैं।

तीसरे क्वार्टर में एक अनावश्यक 'स्टिक चेक' की वजह से नाइट्स को पेनल्टी कॉर्नर देना पड़ा। इसके जवाब में अनुभवी सुरेंद्र गोलपोस्ट पर बिना हिले-डुले खड़े रहे और एक बेहद तेज ड्रैग-फ्लिक को अपनी स्टिक के बीचों-बीच रोक दिया।



सिंधु फ्रेंच ओपन का फाइनल हारी:पहला गेम जीतने के बाद लगातार दो गेम गंवाए; साउथ कोरिया की एन से लगातार 11वीं हार

भारत की पीवी सिंधु को फ्रेंच ओपन बैडमिंटन के फाइनल में हार का सामना करना पड़ा। रविवार को हुए मुकाबले में उन्हें वर्ल्ड नंबर-1 साउथ कोरिया की एन से यंग ने 16-21, 21-11, 21-12 से हराया। इस जीत के साथ यंग ने लगातार तीसरी बार फ्रेंच ओपन का खिताब अपने नाम किया।

सिंधु ने पहला गेम जीतकर अच्छी शुरुआत की, लेकिन अगले दोनों गेम गंवा दिए। एन के खिलाफ यह उनकी लगातार 11वीं हार है।

सिंधु के लिए निर्णायक गेम में वापसी करना मुश्किल रहा। एन ने दूसरे गेम में 21-11 और तीसरे गेम में 21-12 से जीत दर्ज की। इस तरह भारतीय खिलाड़ी को खिताबी मुकाबले में हार मिली।

सिंधु ने सेमीफाइनल में जापान की हिना अकेची को

हराकर फाइनल में जगह बनाई थी। यह 2026 में उनका दूसरा सुपर 750 फाइनल था। जुलाई में उन्होंने जापान ओपन का खिताब जीता था।

सिंधु ने आक्रामक शॉट्स और अपनी लंबी पहुंच का अच्छा इस्तेमाल किया। उन्होंने 20 मिनट में पहला गेम 21-16 से जीतकर बढ़त बनाई।

साइड बदलने के बाद यंग ने दूसरे गेम में तेज शुरुआत की और सिंधु पर दबाव बनाया। भारतीय खिलाड़ी की गलतियों का फायदा उठाकर उन्होंने गेम जीतते हुए मुकाबला 1-1 से बराबरी कर दिया।

निर्णायक गेम में सिंधु ने 8-5 की बढ़त बनाई, लेकिन यंग ने वापसी करते हुए स्कोर बराबर कर दिया। इसके बाद कोरियाई खिलाड़ी ने लगातार दबाव बनाए रखा और गेम जीतकर खिताब अपने नाम किया।

पाकिस्तान ने इंग्लैंड को 1 विकेट से हराया: वनडे में शादाब का नंबर-8 पर शतक

लाहौर। पाकिस्तान ने वनडे ट्राई सीरीज के मुकाबले में इंग्लैंड को 1 विकेट से हरा दिया। लाहौर के गदाफी स्टेडियम में पहले बल्लेबाजी करते हुए इंग्लैंड की टीम 46.4 ओवर में 241 रन पर सिमट गई।

जवाब में पाकिस्तान के 154 रन पर 9 विकेट गिर गए थे। टीम को अब भी जीत के लिए 88 रन की जरूरत थी। यहां से शादाब खान ने हारिस रऊफ के साथ नाबाद 89 रन की साझेदारी कर जीत दिला दी।

शादाब ने नंबर-8 पर बल्लेबाजी करते हुए वनडे इंटरनेशनल की सबसे बड़ी पारी खेली। उन्होंने 96 गेंद पर नाबाद 113 रन बनाए।उनकी पारी में 13 चौके और 5 छक्के शामिल रहे।

इस जीत के साथ ही पाकिस्तान ट्राई सीरीज के फाइनल में पहुंच गई है। जहां उसकी भिड़ंत इंग्लैंड और श्रीलंका में से



एक से होगी। पहले बल्लेबाजी करने उतरी इंग्लैंड की टीम 46.4 ओवर में 241 रन पर ऑलआउट हो गई। टीम ने शुरुआती तीन विकेट जल्दी गंवा दिए थे। इसके बाद बेन डकेट ने पारी संभाली और 111 गेंदों पर 105 रन बनाए। उन्होंने 10 चौके और 2 छक्के लगाए।

सैम करन ने 52 गेंदों पर 42 रन बनाए, जबकि गस एटकिंसन ने 28 गेंदों पर नाबाद 36 रन की

पारी खेली। पाकिस्तान की ओर से कप्तान शाहीन अफरीदी ने सबसे ज्यादा 4 विकेट लिए। अराफात मिन्हास और रजाउल्लाह को 2-2 विकेट मिले।

242 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी पाकिस्तान ने भी खराब शुरुआत की। फखर जमान 10, सैम अयूब 6 और बाबर आजम 10 रन बनाकर आउट हो गए। टीम ने 31 रन तक 3 विकेट गंवा दिए थे।

राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता के दूसरे दिन खिलाड़ियों में दिखा जबरदस्त उत्साह, विभिन्न संभागों ने जीते पदक

अम्बिकापुर। राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता 2026 के दूसरे दिन खिलाड़ियों में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। प्रतियोगिता में प्रदेश के पांचों संभागों के खिलाड़ियों ने पूरे जोश और खेल भावना के साथ भाग लेते हुए अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। विभिन्न खेलों में खिलाड़ियों के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा देखने को मिली। खिलाड़ियों के उत्साह और रोमांचक मुकाबलों को देखने के लिए खेल मैदानों में खेल प्रेमियों एवं दर्शकों की भारी भीड़ उमड़ रही है।

बैडमिंटन प्रतियोगिता के 19 वर्ष बालक वर्ग में दुर्ग संभाग ने प्रथम, रायपुर ने द्वितीय, बिलासपुर ने तृतीय तथा सरगुजा ने चतुर्थ स्थान हासिल किया। 17 वर्ष बालिका वर्ग में दुर्ग प्रथम, रायपुर द्वितीय, सरगुजा तृतीय और बस्तर चतुर्थ स्थान पर रहा।

सॉफ्ट टेनिस में बिलासपुर और



इसी प्रकार 17 वर्ष बालक वर्ग में दुर्ग संभाग ने प्रथम, रायपुर ने द्वितीय, बिलासपुर ने तृतीय तथा सरगुजा ने चतुर्थ स्थान हासिल किया। 17 वर्ष बालिका वर्ग में दुर्ग प्रथम, रायपुर द्वितीय, सरगुजा तृतीय और बस्तर चतुर्थ स्थान पर रहा।

सॉफ्ट टेनिस में बिलासपुर और

17 वर्ष बालक वर्ग में बिलासपुर ने प्रथम, रायपुर ने द्वितीय और दुर्ग तृतीय स्थान प्राप्त किया। 17 वर्ष बालिका वर्ग में रायपुर प्रथम, दुर्ग द्वितीय और बिलासपुर तृतीय स्थान पर रहा। फुटबॉल के 19 वर्ष बालक वर्ग में बस्तर संभाग ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि सरगुजा द्वितीय और दुर्ग तृतीय स्थान पर रहा।

बास्केटबॉल के 17 वर्ष बालिका वर्ग में रायपुर संभाग ने प्रथम, दुर्ग ने द्वितीय और सरगुजा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। वहीं 14 वर्ष बालिका वर्ग में रायपुर भी प्रथम, सरगुजा ने द्वितीय और बिलासपुर ने तृतीय स्थान हासिल

किया। प्रतियोगिता के दौरान खिलाड़ियों का उत्साह देखते ही बन रहा है। बेहतर प्रदर्शन के लिए खिलाड़ी पूरे मनोयोग से मैदान में उतर रहे हैं। वहीं शिक्षा विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी खिलाड़ियों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए लगातार प्रतियोगिता स्थल एवं संबंधित व्यवस्थाओं का निरीक्षण कर रहे हैं। अधिकारी खिलाड़ियों की आवश्यकताओं को जानकारी लेकर सुविधाओं को सुनिश्चित करने में जुटे हैं।

राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता के दूसरे दिन विभिन्न संभागों के खिलाड़ियों ने अपनी खेल प्रतिभा, अनुशासन और टीम भावना से दर्शकों का दिल जीत लिया। प्रतियोगिता के आगामी वर्ष बालिका वर्ग को लेकर भी खिलाड़ियों और खेल प्रेमियों में खासा उत्साह बना हुआ है।

CHHBIL/2023/88684